

चाँद देख चाँदी फिसली! करवाचौथ पर 4600 रुपये हुई सस्ती

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियाँ)।

करवाचौथ के दिन सोने-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किए जाने के बावजूद गुरुवार रात चांदी की कीमत में 4,600 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई। इसके साथ ही चांदी वायदा भाव मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर 1.90 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर से नीचे आ गया। वहीं, सोने की कीमत में भी 700 रुपये की गिरावट आई।

एमसीएक्स पर दिसंबर वायदा के लिए सोने का भाव गिरकर 1,42,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इसी तरह दिसंबर वायदा चांदी की कीमत 4,600 रुपये टूटकर 1,89,637 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई।

अमेरिकी फेड के फैसले से बढ़ी चिंता

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों को 3.75 से 4 प्रतिशत के दायरे में स्थिर रखा। हालांकि, दो अधिकारियों ने ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी का समर्थन किया।

इससे दिसंबर में ब्याज दरें बढ़ने की आशंका को बल मिला है। इस घटनाक्रम के कारण सोने-चांदी की कीमतों



पर दबाव बना हुआ है।

डॉलर और बॉन्ड प्रतिफल पर नजर

निवेशक अमेरिकी महंगाई के आंकड़ों और ब्याज दरों की संभावित दिशा पर नजर रख रहे हैं। यदि अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल और डॉलर मजबूत होते हैं, तो सोने की मांग प्रभावित हो सकती है। इसका असर कीमती धातुओं की कीमतों पर भी पड़ सकता है।

मुनाफावसूली से भी दबाव

पिछले कुछ महीनों में सोने और चांदी की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के बाद निवेशकों की मुनाफावसूली भी गिरावट की एक संभावित वजह हो सकती है। चांदी में सोने की तुलना में अधिक उतार-चढ़ाव देखने को मिलता

है, इसलिए इसमें गिरावट भी अधिक तेज हो सकती है। हालांकि, मौजूदा बिकवाली के पीछे केवल मुनाफावसूली को ही एकमात्र कारण नहीं माना जा सकता।

औद्योगिक मांग का भी असर

चांदी का इस्तेमाल निवेश के अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स और सौर ऊर्जा जैसे उद्योगों में भी होता है। ऐसे में औद्योगिक मांग कमजोर होने की आशंका या बाजार में जोखिम लेने की प्रवृत्ति घटने पर चांदी की कीमतों पर सोने के मुकाबले अधिक दबाव पड़ सकता है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी गिरावट

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत 0.42 प्रतिशत गिरकर 4,034.45 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। वहीं, चांदी की कीमत 2.47 प्रतिशत टूटकर 52.355 डॉलर प्रति औंस पर आ गई।

क्या अभी सोना-चांदी खरीदना सही रहेगा?

कीमतों में गिरावट देखकर तुरंत खरीदारी का फैसला करना जरूरी नहीं है। आगे अमेरिकी महंगाई के आंकड़े, फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों को लेकर मिलने वाले संकेत और अंतरराष्ट्रीय बाजार की चाल महत्वपूर्ण रहेंगे। यदि शादी या त्योहार के लिए सोना-चांदी खरीदना जरूरी है, तो जरूरत के अनुसार खरीदारी को अलग-अलग चरणों में बांटना एक विकल्प हो सकता है।

अभागी सुहागिन! करवाचौथ के दिन पति ने मार डाला

ग्वालियर, 29 अक्टूबर (एजेंसियाँ)।

करवा चौथ का त्योहार पति की लंबी उम्र और सुखी दांपत्य जीवन की कामना के लिए मनाया जाता है। इस दिन घरों में पूजा की तैयारियां होती हैं और पति-पत्नी साथ मिलकर त्योहार मनाते हैं। लेकिन मध्य प्रदेश के ग्वालियर में इसी दिन एक ऐसी घटना सामने आई, जिसने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। मुरार थाना क्षेत्र के त्यागी नगर में मधु श्रीवास्तव की हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप उनके पति आनंद श्रीवास्तव पर है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, मधु के सिर पर कई बार वार किए गए, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी पति खुद थाने पहुंचा। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

त्यागी नगर में वारदात से सनसनी

घटना ग्वालियर के मुरार थाना क्षेत्र स्थित त्यागी नगर की है। मृतका की पहचान मधु श्रीवास्तव के रूप में हुई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, उनके सिर पर कई बार वार किए गए थे। गंभीर चोटों के कारण उनकी मौत हो गई। घटना की खबर सामने आने के बाद आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई। जिस दिन कई घरों में करवा चौथ की पूजा हो रही थी, उसी दिन एक महिला की हत्या की खबर ने लोगों को स्तब्ध कर दिया।

हत्या के बाद खुद थाने पहुंचा पति

हत्या के बाद आरोपी पति आनंद श्रीवास्तव खुद थाने पहुंचा। शुरुआती जानकारी के अनुसार, उसने वहां हत्या की बात कबूल की। हालांकि, उसके बयान और घटनाक्रम से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है। पुलिस ने आनंद को हिरासत



में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि वारदात के समय घर में क्या हुआ था। पुलिस घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, बयानों और अन्य तथ्यों को भी जांच में शामिल कर रही है।

प्रेम विवाह के पहलू की भी जांच

शुरुआती जानकारी में सामने आया है कि आनंद और मधु ने प्रेम विवाह किया था। हालांकि, उनके वैवाहिक जीवन में किसी तरह का विवाद था या नहीं, इस बारे में अभी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि घटना से ठीक पहले पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी या वारदात के पीछे कोई दूसरी वजह थी।

हत्या की वजह तलाश रही पुलिस

फिलहाल घटना के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और अन्य जानकारी के आधार पर वारदात की परिस्थितियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, आरोपी आनंद श्रीवास्तव से पूछताछ जारी है और जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जामिया जीता! छात्र संघ चुनाव तय, भूख हड़ताल खत्म



नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियाँ)।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में पिछले कई दिनों से छात्रसंघ की बहाली की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों को आखिरकार बड़ी कामयाबी मिली है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों की मांगों के आगे झुकते हुए छात्रसंघ का नया संविधान तैयार करने और चुनाव कराने की आधिकारिक घोषणा कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन के आदेश के अनुसार, छात्रसंघ के नए संविधान का निर्माण 15 मई 2027 तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद 16 जुलाई 2027 से शुरू होने वाले आगामी शैक्षणिक सत्र के छह सप्ताह के भीतर विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव कराए जाएंगे। प्रशासन ने यह भी घोषणा की है कि आंदोलन के दौरान छात्रों के खिलाफ की गई सभी अनुशासनात्मक कार्रवाइयां वापस ली जाएंगी। इसके साथ ही परिसर में प्रवेश पर लगाए गए प्रतिबंधों के फैसले भी रद्द किए जाएंगे। प्रशासन की घोषणा के बाद छात्रों में जश्न का माहौल देखने को मिला। परिसर में छात्र जीत के नारे लगाते और खुशी मनाते नजर आए। वहीं, विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों से अपनी भूख हड़ताल तत्काल समाप्त करने की अपील की, जिसके बाद छात्रों ने अनशन तोड़ दिया। दरअसल, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में पिछले 20 वर्षों से छात्रसंघ चुनाव नहीं हुए हैं। विश्वविद्यालय में आखिरी बार वर्ष 2005 में छात्रसंघ चुनाव हुए थे। ▶**8पर**

महाभियोग नाटक : माँक ड्रिल में स्पीकर मीरा

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियाँ)।

कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एक अनूठा राजनीतिक प्रदर्शन करने जा रहा है। इसके तहत संसद के माँक सत्र का आयोजन किया जाएगा और ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए महाभियोग जैसी कार्यवाही का प्रतीकात्मक मंचन किया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इस पूरी कवायद में अहम भूमिका निभाएंगे, जबकि लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष मीरा कुमार माँक संसद सत्र की अध्यक्षता करेंगी। कार्यक्रम पहले दिल्ली के अशोक होटल में आयोजित किया जाना था, लेकिन अनुमति नहीं मिलने के बाद अब इसे खड़गे के आवास, 10 राजाजी मार्ग पर आयोजित करने की तैयारी है।

माँक महाभियोग से दबाव बनाने की रणनीति

दरअसल, कांग्रेस और विपक्षी दल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ वास्तविक महाभियोग जैसी कार्रवाई करना चाहते हैं। इससे पहले माँक महाभियोग के जरिए दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। इसलिए इस पहल को वास्तविक संवैधानिक कार्यवाही के बजाय एक राजनीतिक प्रतीकात्मक आयोजन के रूप में देखा जा रहा है। माँक महाभियोग का शाब्दिक अर्थ छद्म महाभियोग है, यानी



महाभियोग जैसी कार्यवाही का प्रतीकात्मक मंचन। इस कार्यक्रम में संसद जैसी कार्यवाही का मंचन होगा और एक प्रस्ताव पेश किया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे यह प्रस्ताव पेश करेंगे, जबकि पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार पीठासीन अधिकारी की भूमिका निभाएंगी। माँक महाभियोग की कार्यवाही दोपहर 3:30 बजे शुरू होगी।

कांग्रेस नेताओं के अनुसार, इस आयोजन में विपक्षी सांसदों के साथ कानूनी विशेषज्ञ, वकील, न्यायविद और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से प्रभावित होने का दावा करने वाले आम लोगों को भी शामिल किया जाएगा।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और त्रियंका गांधी वाड़ा सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता इसकी तैयारियों में जुटे हैं। विपक्ष ने पहले अशोक होटल में कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई थी। इसके बाद रामलीला मैदान में आयोजन की कोशिश की गई, लेकिन वहां भी अनुमति नहीं मिलने

का कांग्रेस ने आरोप लगाया। आखिरकार खड़गे के आवास को कार्यक्रम के लिए चुना गया।

आंदोलन तेज करने की चेतावनी

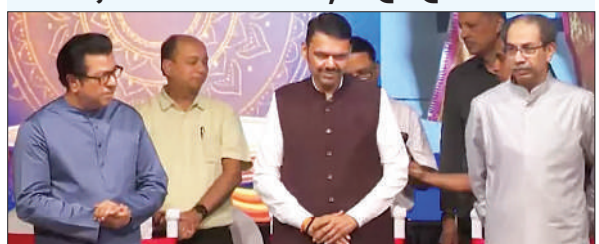
कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा, यह साफ कर दूं, चाहे कुछ भी हो जाए, हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे, जब तक मोदी-शाह की कठपुतली ज्ञानेश कुमार को हटा नहीं दिया जाता। अगर वे हमें यहां रोकते हैं, तो हम अमित शाह के घर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के घर जाएंगे और वहां बड़ा धरना देंगे। लेकिन हम आखिर तक लड़ेंगे और जब तक हमारा मिशन पूरा नहीं हो जाता, तब तक संघर्ष जारी रखेंगे।

'चोट चोरी' के आरोपों पर टकराव

विपक्ष का यह कदम चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर जारी विवाद के बीच सामने आया है। 'इंडिया' गठबंधन के दलों का आरोप है कि मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों और मतदाताओं के नाम काटे जाने के मामलों पर चुनाव आयोग ने संतो-षजनक जवाब नहीं दिया है। विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहा है।

इससे पहले भी विपक्ष संसद में ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए नोटिस देने की कोशिश कर चुका है। ▶**8र**

फडणवीस-उद्धव-राज! एक मंच पर तीनों, महा हलचल



मुंबई, 29 अक्टूबर (एजेंसियाँ)।

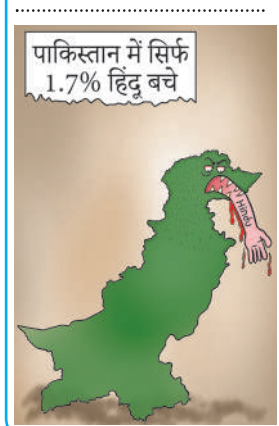
महाराष्ट्र की राजनीति में गुरुवार को एक दिलचस्प नजारा देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे एक किताब के विमोचन समारोह में एक ही मंच पर नजर आए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने मुंबई में कार्टूनिस्टों के लिए एक विशेष गैलरी बनाने की पहल करने की घोषणा की। 75 कार्टूनिस्टों के कार्यों और उनकी जीवन-परिचय संबंधी जानकारी पर आधारित पुस्तक 'महाराष्ट्राची हास्यरेखा' के विमोचन समारोह में फडणवीस ने कहा कि अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं का एक मंच पर आना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। यह महाराष्ट्र की राजनीतिक परंपरा का हिस्सा है।

राजनीति से अलग भी मिल सकते हैं नेता

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, मुझे नहीं पता कि कुछ लोग हमें एक मंच पर देखकर हैरान क्यों हुए। हम हैरान नहीं हैं। यह महाराष्ट्र की राजनीतिक परंपरा है। अलग-अलग पार्टियों के नेता किसी कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं, साथ हंस सकते हैं और चाय भी पी सकते हैं।

उद्धव ठाकरे का जिक्र करते हुए फडणवीस ने कहा, 2019 तक जब भी उद्धव जी मुझे बुलाते थे, मैं जाता था। 2019 के बाद उन्होंने फोन नहीं किया। मैं इंतजार कर रहा था। ▶**8र**

कार्टून कॉर्नर



मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29°
न्यूनतम : 21°

राजनीतिक उलटफेर : MLC नतीजों ने बदले समीकरण

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियाँ)।

उत्तर प्रदेश, बिहार, कर्नाटक और महाराष्ट्र की कुल 28 विधान परिषद (एमएलसी) सीटों के चुनाव परिणाम सामने आ चुके हैं। शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों की इन सीटों पर हुए चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी दलों का प्रदर्शन कुल मिलाकर बेहतर रहा, जबकि महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुक्ति को झटका लगा। राज्यवार नतीजों में कई चौंकाने वाले उलटफेर भी देखने को मिले। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) ने अपनी स्थिति मजबूत की, बिहार में जन सुराज पार्टी ने खाता खोला और महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी ने बढ़त हासिल की।

उत्तर प्रदेश: भाजपा को 6, सपा को 5 सीटें
उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 11 सीटों पर भाजपा और सपा के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। इनमें छह शिक्षक और पांच स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की सीटें थीं। भाजपा ने छह सीटों पर जीत दर्ज की, जिनमें चार शिक्षक और दो स्नातक कोटे की सीटें शामिल हैं। वहीं, सपा ने पांच सीटें जीतीं, जिनमें दो शिक्षक और तीन स्नातक कोटे की सीटें हैं।



विजेता उम्मीदवारों की सूची

मेरठ स्नातक: भाजपा के दिनेश गोयल।
मेरठ शिक्षक: भाजपा के श्रीचंद शर्मा।
बरेली-मुरादाबाद शिक्षक: भाजपा के डॉ. हरि सिंह दिल्ली।
लखनऊ शिक्षक: भाजपा के उमेश द्विवेदी।
गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक: भाजपा के ध्रुव त्रिपाठी।
आगरा स्नातक: भाजपा के डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह।

वाराणसी शिक्षक: सपा के लाल बिहारी यादव।

आगरा शिक्षक: सपा के डॉ. आकाश अग्रवाल।

झांसी स्नातक: सपा के डॉ. मान सिंह यादव।

लखनऊ स्नातक: सपा की कांति सिंह पटेल।

वाराणसी स्नातक: सपा के आशुतोष सिन्हा।

सपा ने बढ़ावा अपना प्रभाव

सपा ने वर्ष 2020 में मिली तीन सीटों के मुकाबले इस

बार पांच सीटें जीतकर अपना प्रदर्शन बेहतर किया। पार्टी ने भाजपा का मजबूत गढ़ मानी जाने वाली लखनऊ स्नातक और आगरा शिक्षक सीटों पर जीत दर्ज की। वाराणसी की शिक्षक और स्नातक, दोनों सीटों पर सपा की जीत से पार्टी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह देखने को मिला।

भाजपा छह सीटें जीतकर आगे रही और वर्ष 2020 के अपने आंकड़ों को बरकरार रखा। हालांकि, लखनऊ और आगरा में मिली हार ने पार्टी के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है।

बिहार: जन सुराज ने खोला खाता

बिहार की आठ विधान परिषद सीटों पर चुनाव हुए। इनमें चार स्नातक और चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की सीटें शामिल थीं। नतीजों में भाजपा, जनता दल (यूनাইटेड), राष्ट्रीय जनता दल (राजद), प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी और निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की।

विजेता उम्मीदवारों की सूची

पटना स्नातक: जदयू के नीरज कुमार।
कोसी स्नातक: भाजपा के डॉ. एनके यादव।
भंगा स्नातक: राजद के अनिल झा। ▶**8र**



क्यूबा पर अमेरिकी प्रतिबंधों के खिलाफ भारत, संप्रभुता प्रभावित करने वाले कानूनों का किया विरोध

संयुक्त राष्ट्र
भारत ने क्यूबा पर अमेरिका के आर्थिक, वाणिज्यिक और वित्तीय प्रतिबंधों को समाप्त करने की मांग वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव के समर्थन में मतदान किया। भारत ने कहा कि ऐसे कानूनों और नियमों का विरोध किया जाना चाहिए, जिनका दूसरे देशों की संप्रभुता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

जो उनकी जनता की प्रगति तथा समृद्धि में बाधा बनते हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की काउंसलर सौम्या नायर ने महासभा में कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप ऐसे कानूनों एवं उपायों को वापस लेने और अमान्य करने की अपील दोहराता है।

उन्होंने कहा कि भारत का बहुपक्षवाद के प्रति विश्वास इस सिद्धांत पर आधारित है कि अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों का समाधान संवाद और कूटनीति से निकाला जाना चाहिए।

भारत ने उम्मीद जताई कि क्यूबा पर लगा प्रतिबंध जल्द हटाया जाएगा, ताकि वहां के

लोगों को अंतरराष्ट्रीय सहयोग में अधिक भागीदारी और विकास की आकांक्षाओं को पूरा करने का अवसर मिल सके।

नायर ने प्रतिबंधों के कारण क्यूबा की स्वास्थ्य व्यवस्था पर पड़ रहे असर का भी उल्लेख किया। उनके अनुसार, देश में आवश्यक दवाओं की 60 प्रतिशत से अधिक की कमी है, जबकि पिछले पांच वर्षों में खाद्य उत्पादन में 50 प्रतिशत से अधिक गिरावट आई है। ईंधन निर्यात पर हाल में कड़े किए गए प्रतिबंधों से स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, जलापूर्ति, खाद्य वितरण और परिवहन जैसे आवश्यक सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं।

महासभा में प्रस्ताव 130 मतों के समर्थन, 17 विरोधी मतों और 25 देशों के मतदान से दूर रहने के साथ पारित हुआ। मतदान से पहले महासभा में अमेरिका और क्यूबा के प्रतिनिधियों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष खलीलुर रहमान को कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित करनी पड़ी। बाद में अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने एक क्यूबाई राजनयिक को निष्कासित किए जाने की जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता ने सभी प्रतिनिधिमंडलों से महासभा के नियमों और गरिमा का सम्मान करने की अपील की।

न्यूज़ ब्रीफ

अदन एयरपोर्ट पर हूती के हमले से सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी



अदन (यमन)। मध्य पूर्व के देश यमन के प्रमुख बंदरगाह शहर अदन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा (एयरपोर्ट) पर ईरान समर्थक आतंकी समूह हूती के दो मिसाइल हमलों से विमानन सुरक्षा को लेकर चिंता पैदा हो गई है। अदन हवाई अड्डे पर मिसाइल हमलों से हवाई यातायात बाधित हुआ है। मानवीय सहायता के महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार के रूप में काम करने वाले इस हवाई अड्डे पर हमलों में आम नागरिक घायल हुए हैं और संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। गल्फ न्यूज, अरब न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, यमन के सैन्य प्रवक्ता और परिवहन मंत्रालय के अनुसार, दो बैलिस्टिक मिसाइलों ने अदन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाया गया। इन हमलों में आम नागरिक घायल हुए। संपत्ति को नुकसान पहुंचा और हवाई यातायात कुछ समय के लिए रुक गया। इससे पहले सात अक्टूबर को भी बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन के जरिए हमला किया गया था। बताया गया है कि हूती ने यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के गढ़ में स्थित इस हवाई अड्डे को खाली करने की मांग की है। यमन के परिवहन मंत्रालय ने इन हमलों की निंदा की है। मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि ये हमले आम नागरिकों की जान और हवाई नेविगेशन (उड़ान सुरक्षा) के लिए खतरा है। यह भी खबर है कि अक्टूबर में नागरिक हवाई अड्डों पर हमलों के बाद सऊदी के नेतृत्व वाली सेना ने हूती के 82 ठिकानों को नष्ट कर दिया।

पाकिस्तान की वायरल रील को मिले 8.99 करोड़ से ज्यादा व्यूज, खूब हो रही चर्चा



इस्लामाबाद। कई बार कुछ वीडियो इंटरनेट पर छा जाते हैं। इन दिनों पाकिस्तान की एक ऐसी ही रील खूब चर्चा में है, जिसे सोशल मीडिया पर 89.9 मिलियन यानी करीब 8.99 करोड़ व्यूज मिलने का दावा किया जा रहा है। इस रील में एक शख्स बच्चों के बीच बैठा नजर आ रहा है, उसके चेहरे की मुस्कान और आसपास मौजूद बच्चों का अंदाज इस वीडियो को खास बना रहा है। सोशल मीडिया पर इन दिनों उनकी तारीफ में कई वया... गाना काफी वायरल हो रहा है। इस गाने पर बने रील्स लोगों का ध्यान खींच रही हैं। खासकर पाकिस्तान के एक वायरल वीडियो के साथ यह गाना चर्चा में है। इस रील पर 89.9 मिलियन यानी करीब 8.99 करोड़ व्यूज मिले हैं। गाने की धुन और वीडियो के अंदाज ने लोगों की उत्सुकता बढ़ा दी है। वायरल रील में एक शख्स काले कपड़ों में बच्चों के बीच बैठा दिखाई देता है. उसके बाल सुनहरे हैं और वह मुस्कुराता हुआ नजर आ रहा है उसके आसपास कई बच्चे बैठे हैं, जबकि पीछे कुछ दूसरे लोग भी दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में शख्स का सहज अंदाज और बच्चों के साथ बिताया जा रहा यह पल लोगों का ध्यान खींच रहा है। इस रील को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा इसके व्यूज की हो रही है। सोशल मीडिया पर 89.9 मिलियन व्यूज का आंकड़ा अपने आप में काफी बड़ा है. इतनी बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंचने के बाद यह वीडियो चर्चा का विषय बन गया।

150 साल पुरानी घोड़ागाड़ी होगी बंद, प्रस्ताव पारित

न्यूयार्क। अमेरिका के न्यूयार्क शहर की सेंट्रल पार्क की पारंपरिक घोड़ागाड़ियों की सवारी जल्द ही अतीत का पन्ना बनने जा रही है। इन विंटेज घोड़ागाड़ियों पर न्यूयार्क सिटी काउंसिल यानी नगर परिषद ने कड़ा रुख अपनाते हुए औपचारिक प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव को पारित कर दिया है। पिछले लगभग डेढ़ सौ वर्षों से दुनिया भर से आने वाले पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र रही विंटेज घोड़ागाड़ियां अब इतिहास के पन्नों में सिमट कर रह जाएंगी। नगर परिषद में हुए मतदान के दौरान इस ऐतिहासिक पाबंदी के पक्ष में 40 वोट पड़े, जबकि इसके विरोध में केवल 7 पाबंदी ने मतदान किया। घोड़ागाड़ियों पर प्रतिबंध लगाने का यह कठोर फैसला उस समय तेजी से परवान चढ़ा जब एक भारतीय किशोर रोमांच महाजन की दुखद दुर्घटना में हुई मौत के बाद इस पुरानी परंपरा की सुरक्षा, प्रासंगिकता और पशु कल्याण पर गंभीर सवाल खड़े हो गए थे। रोमांच महाजन से जुड़ी इस दुखद घटना के बाद पशु अधिकार कार्यकर्ताओं, स्थानीय नागरिकों और मानवाधिकार संगठनों ने सड़कों पर उत्तरकर घोड़ागाड़ियों के संचालन का कड़ा विरोध किया था। इस त्रासदी ने शहर के प्रशासनिक हलकों में एक नई बहस छेड़ दी कि क्या आधुनिक यातायात और भारी भीड़-भाड़ वाले न्यूयार्क शहर में जानवरों का इस तरह व्यावसायिक इस्तेमाल करना सुरक्षित और तर्कसंगत है।

जर्मनी अब अमेरिका की नहीं, यूक्रेन की बनाई मिसाइल खरीदेगा

कीव
यूरोप के डिफेंस मार्केट में एक बड़ी खबर ने हलचल मचा दी है। अपनी जबरदस्त इंजीनियरिंग और अत्याधुनिक हथियारों के लिए मशहूर जर्मनी अब अमेरिका की नहीं, बल्कि यूक्रेन की बनाई मिसाइल खरीदने जा रहा है। जर्मन सेना पहली बार यूक्रेन की बार्स मिसाइल का परीक्षण करने की तैयारी में है। अगर यह दांव सही बैठे, तो जर्मनी ऐसी सैकड़ों मिसाइलों का बड़ा आर्डर देगा। यह कदम दुनिया की सबसे ताकतवर सेनाओं में शुमार जर्मनी की एक नई और सोची-समझी रक्षा रणनीति का हिस्सा है, जिससे सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर जर्मनी को यूक्रेन के इस हथियार की जरूरत क्यों पड़ गई।

जर्मन सरकार आने वाले कुछ हफ्तों में बार्स मिसाइल के पहले बैच को खरीदने के लिए एक बड़े समझौते पर हस्ताक्षर करने की तैयारी में है। इन मिसाइलों का इस्तेमाल सबसे पहले जर्मन सेना अपनी तकनीकी और टेस्टिंग के लिए करेगी। अगर अगले साल की शुरुआत में होने वाले परीक्षण सफल रहते हैं, तो जर्मनी सैकड़ों मिसाइलों का बड़ा आर्डर दे सकता है। यह कदम केवल हथियार खरीद नहीं, बल्कि रूस के खिलाफ यूरोप की अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि बार्स मिसाइलें अब सिर्फ यूक्रेन में नहीं, बल्कि पिछले कुछ महीनों से जर्मनी के अंदर ही एक संयुक्त यूक्रेनी-जर्मन कंपनी द्वारा बनाई जा रही हैं, हालांकि सुरक्षा कारणों से इस पूरी प्रक्रिया को बेहद गोपनीय रखा गया है। जर्मनी द्वारा वित्तपोषित इस मेक-इन-जर्मनी बार्स मिसाइल का पहला बैच अक्टूबर में यूक्रेन को सौंपा भी जा चुका है। अब यही जाइंट वेंचर जर्मन सेना के अपने इस्तेमाल के लिए उत्पादन शुरू करेगा। यूक्रेन में बार्स को ड्रोन मिसाइल भी कहा जाता है, लेकिन तकनीकी रूप से जर्मन सेना इसे एक लो-कास्ट क्रूज मिसाइल मानती है। यह जेट इंजन से चलने वाला एक बेहद चातक हथियार है। यह मिसाइल 1000 किलोमीटर तक की दूरी पर मौजूद दुश्मन के ठिकानों को सटीकता से निशाना बना सकती है और अलग-अलग माडिफिकेशन के हिसाब से 105 किलोग्राम तक का काबूद ले जाने में सक्षम है। यह मिसाइल कम ऊंचाई पर उड़कर दुश्मन के रडार से बचते हुए अपने टारगेट पर सटीक प्रहार कर सकती है। जर्मनी सिर्फ बार्स मिसाइल पर ही दांव नहीं लगा रहा है, बल्कि इसके साथ ही जर्मन सेना अमेरिकी स्टार्टअप कोर्वेन्ट की बनाई एंथम क्रूज मिसाइल के एक छोटे बैच का भी परीक्षण करने वाली है।



वया लड़ने के बजाय सऊदी को बचाने मुनीर हतियों को पैसे देकर रुकवाना चाहते हैं हमले, हूती विद्रोहियों को हमले रोकने के बदले 1 बिलियन डालर देने की पेशकश की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर जब सऊदी अरब की मदद करने की भूमिका में आए तो उम्मीद थी कि उनकी सैन्य ताकत का दबदबा दिखेगा, लेकिन अब एक रिपोर्ट ने कहानी में ऐसा मोड़ ला दिया है कि सवाल उठने लगे हैं। सऊदी को बचाने पहुंचे मुनीर वया हतियों के सामने पैसे देकर हमले रुकवाने का रास्ता सुझा रहे हैं मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सऊदी अरब ने यमन के हूती विद्रोहियों को हमले रोकने के बदले 1 बिलियन डालर देने की पेशकश की। रिपोर्ट में यह भी दावा है कि मुनीर तेहरान में हुई बातचीत का हिस्सा थे यानी जिस मिशन को सऊदी की सुरक्षा से जोड़कर देखा जा रहा था, उसकी चर्चा अब हतियों को एक अरब डालर देने की पेशकश तक पहुंच गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आसिम मुनीर ने आपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के सामने सरेंडर कर दिया था। हालांकि बाद में पाक ने अपनी जीत का हर तरफ दावा भी किया। भारत ने अपने सैन्य अभियान को सफल बताया था। अब सऊदी अरब से जुड़ी इस रिपोर्ट ने मुनीर की भूमिका पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। वया सऊदी अरब को सुरक्षित रखने की कोशिश अब हतियों को आर्थिक पेशकश तक पहुंच गई है क्या यह दबाव कम करने की कूटनीति है या हमले रुकवाने के लिए बड़ी कीमत चुकाने की कोशिश इजराइली अखबार ने खाड़ी क्षेत्र के राजनयिक सूत्रों के हवाले से बताया कि सऊदी अरब के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान तेहरान पहुंचे थे। वहां हतियों के साथ सीजफायर करने को लेकर बातचीत हुई। इस प्रक्रिया में ईरान, पाकिस्तान और तुर्की के प्रतिनिधियों के शामिल होने की बात कही गई है। मुनीर और तुर्की की खुफिया एजेंसी के प्रमुख इब्राहिम कालिन भी बातचीत का हिस्सा थे। रिपोर्ट में दावा किया गया कि सऊदी अरब ने हतियों को 1 बिलियन डालर देने का प्रस्ताव रखा। एक सूत्र ने यहां तक दावा किया कि सऊदी रक्षा मंत्री अपने सैन्य विमान में रकम लेकर तेहरान पहुंचे थे। बता दें यमन के हूती विद्रोही सऊदी अरब के एयरपोर्ट और तेल ठिकानों को निशाना बनाते रहे हैं। इससे सऊदी अरब की सुरक्षा और तेल निर्यात पर दबाव पड़ा है। ऐसे में रियाद हमले रोकने के लिए बातचीत का रास्ता तलाश रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक पहले भी हतियों को आर्थिक मदद देने और बदले में सीजफायर बनाए रखने को लेकर कोशिश हुई थी. लेकिन दोनों पक्षों के बीच सहमति पर विवाद बना हुआ है। मालूम हो सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की के बीच रक्षा सहयोग का समझौता है। ऐसे में सवाल है कि वया सैन्य सहयोग के साथ कूटनीतिक रास्ता अपनाना जरूरी हो गया है या फिर क्षेत्रीय तनाव ने सभी पक्षों को बातचीत की मेज पर ला दिया है।

कछुए जोनाथन के डीएनए में मिला लंबी उम्र का राज



लंदन। यहां दुनिया के सबसे उम्रदराज जीव माने जाने वाले 194 वर्षीय विशालकाय कछुए जोनाथन पर बहती उम्र का कोई विशेष नकारात्मक असर नहीं दिख रहा है। जोनाथन आज भी उत्तम और सक्रिय है, जितना वह अपनी किशोरावस्था के दौरान था। दक्षिण अटलांटिक महासागर में स्थित ब्रिटिश द्वीप सेंट हेलेना में रह रहे जोनाथन की अत्यधिक उम्र के कारण आँखों की रोशनी चली गई है, लेकिन उसकी सुनने और समझने की क्षमता इतनी तीव्र है कि अपना नाम पुकारे जाने पर वह तुरंत समझ जाता है कि उसके खाने का समय हो गया है। हाल ही में हुए वैज्ञानिक शोधों में जोनाथन के जेनेटिक और डीएनए से कुछ ऐसे अनूटे सुराग मिले हैं, जो भविष्य में इंसानों की उम्र बढ़ाने और वृद्धावस्था से जुड़ी बीमारियों से बचाने की दिशा में एक क्रांतिकारी मोड़ साबित हो सकते हैं। अन्तरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, वैज्ञानिकों द्वारा जोनाथन के डीएनए पर किए गए गहन अध्ययन में यह बात सामने आई है कि उसके जीन समूह में माइटोकॉन्ड्रिया का कार्य बेहद असाधारण है।

इजराइल में डबल लिफाफे वाले मतों की गिनती शुरू, लिक्वुड को चमत्कार की उम्मीद

यरुशलम (इजराइल)
देश की नेसेट (संसद) के लिए हुए चुनाव के बाद आए नतीजों ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की फौरी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। हालांकि उनकी लिक्वुड पार्टी सबसे बड़ा दल बनकर उभरी है। पार्टी को लगता है कि डबल लिफाफे वाले वोटों से उसे एकतरफा फायदा हो सकता है। कुछ देर पहले बताया गया है कि डबल लिफाफे वाले वोटों की गिनती शुरू हो गई है।

द टाइम्स आफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रीय चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि डबल लिफाफे वाले वोटों की गिनती अब शुरू हो गई है। डबल लिफाफे में मुख्य रूप से आईडीएफ (इजराइली रक्षा बल) के सैनिकों, कैदियों, चिकित्साकर्मियों, स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे आम

नागरिकों और विदेशों में तैनात इजराइली प्रतिनिधियों को रखा जाता है। आयोग ने यह भी बताया है कि सभी सामान्य वोटों की गिनती अभी पूरी नहीं हुई है। आयोग के अनुसार, 12,018 सामान्य मतदान केंद्रों में से 11,712 केंद्रों के नतीजों को प्रोसेस कर लिया गया है, जिनमें 5,126,759 मतदाताओं के वोट शामिल हैं। आयोग ने बताया कि बाकी बचे मतदान केंद्रों के लिए अभी मानक सत्यापन प्रक्रिया चल रही है।

नेतन्याहू के कार्यवाहक चीफ आफ स्टाफ इडो नार्डेन की कुर्सी हिली - इस बीच चैनल 13 की रिपोर्ट में कहा गया है कि बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यवाहक चीफ आफ स्टाफ इडो नार्डेन को हटाय़ा जा रहा है। कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री उनके काम से खुश नहीं हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, नार्डेन को बैठकों से



तुर्किये का 103वां गणतंत्र दिवस मनाया गया

भारत-तुर्किये की मित्रता, सांस्कृतिक समझ और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने पर जोर

हैदराबाद । तुर्किये गणराज्य की स्थापना की 103वीं वर्षगांठ के अवसर पर 29 अक्टूबर 2026 की शाम हैदराबाद के गाचीबाउली स्थित स्टार रेस्टोरेंट में एक विशेष समारोह आयोजित किया गया।

इस समारोह में व्यापार, शिक्षा और मीडिया जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया। यह आयोजन 29 अक्टूबर 1923 को तुर्की गणराज्य की स्थापना की ऐतिहासिक घटना की याद में आयोजित किया गया, जिसके 103 वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाया गया।

समारोह में प्रमुख उद्योगपति कल्पेश शाह, शिक्षाविद प्रमोद रेड्डी, हैदराबाद में तुर्किये के उप-वाणिज्यदूत मुहम्मिद उनाल सलमान तथा एसएनएपीएस इंडिया इंटरनेशनल न्यूज एंड फोटो एजेंसी के संपादक मोहम्मद



शम्सुद्दीन उपस्थित रहे। इस अवसर पर हैदराबाद में तुर्किये गणराज्य के महावाणिज्यदूत महामहिम ओरहान यालमान ओकान भी मौजूद थे। समारोह के दौरान भारतीय और तुर्किये के राष्ट्रीय ध्वजों के साथ अतिथियों ने सहभागिता की। समारोह में भारत और तुर्किये के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों को रेखांकित किया गया। साथ ही, दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक समझ, आपसी सहयोग और सद्भावना को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर

दिया गया। इस आयोजन ने तुर्किये गणराज्य की ऐतिहासिक यात्रा का स्मरण करने के साथ-साथ भारत और तुर्किये के बीच मित्रता तथा पारस्परिक संबंधों को मजबूत बनाने की भावना को भी प्रदर्शित किया।

अनुमान है कि जाइंट लिस्ट 12 सीटें जीतेगी, जिससे वह नेसेट में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन जाएगी। हालांकि, यहूदियों के नेतृत्व वाले अधिकांश विपक्षी दलों ने गठबंधन बनाने के लिए उनके साथ जुड़ने से इनकार कर दिया है। पार्टी का कहना है, हमारी जनता इस पल की अहमियत को समझती है और बड़ी संख्या में वोट डालने पहुंची। जाइंट लिस्ट नेतन्याहू के शासन को खत्म करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देगी। हम एक वैकल्पिक सरकार बनाने के लिए राजनीतिक सहयोग करने को तैयार हैं, जो एक वास्तविक विकल्प पेश करेगी और मौजूदा सरकार की नसलवादी नीतियों को पूरी तरह बदलने के लिए प्रतिबद्ध होगी।

पार्टी का कहना है, हमारी जनता इस पल की अहमियत को समझती है और बड़ी संख्या में वोट डालने पहुंची। जाइंट लिस्ट नेतन्याहू के शासन को खत्म करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देगी। हम एक वैकल्पिक सरकार बनाने के लिए राजनीतिक सहयोग करने को तैयार हैं, जो एक वास्तविक विकल्प पेश करेगी और मौजूदा सरकार की नसलवादी नीतियों को पूरी तरह बदलने के लिए प्रतिबद्ध होगी।

पार्टी का कहना है, हमारी जनता इस पल की अहमियत को समझती है और बड़ी संख्या में वोट डालने पहुंची। जाइंट लिस्ट नेतन्याहू के शासन को खत्म करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देगी। हम एक वैकल्पिक सरकार बनाने के लिए राजनीतिक सहयोग करने को तैयार हैं, जो एक वास्तविक विकल्प पेश करेगी और मौजूदा सरकार की नसलवादी नीतियों को पूरी तरह बदलने के लिए प्रतिबद्ध होगी।

ड्राज का राशिफल

मेघ – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ



आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की चपल से आपका मुड़ खराब हो सकता है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अपनी बातों को सही साबित करने के लिए आज के दिन आज अपने सगी से झगड़ सकते हैं। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझने हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना ठीक नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जल्दबस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। लोग आपके बारे में क्या सोचें हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना मुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित होंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वै,वो



अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। आपके भाई-बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। बच्चे भविष्य की योजनाएं बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। अपने पिछे की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नजर आ रहा है। आपको खुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफी कोशिशें कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह



खुरी से भरा अच्छा दिन है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके जरूर आप-का आमजन के नए स्रोत मिलेंगे। एक खुलना और बढ़िया समय के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। आप अचानक गुलाबों की खरबू से खुद को सजावट पाएं-गे।कालीनय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज या खबर दे सकता है। आज अपने लिए नक़्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आर कहीं घूमने जा सकते हैं। हालांकि इस दौरान आने दोनों के बीच थोड़ी बहुत कड़मयुनी हो सकती है। वैवाहिक जीवन के बीच पर यह दिन बाकई बहुत बढ़िया है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो



अपनी शारीरिक चुली-फुलों को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। माता या पिता की सेंट पर आपको आज बहुत धन खर्च करना पड़ सकता है। आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आपका कोई खाम हो आज आपके साथ बिगड़पात कर सकता है। किसीकी चपल से आप दिनभर परेशान रह सकते हैं। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मूड से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का प्रहसन देना चाहता है, उसकी मदद करें।

सिंह – म,मी,पू,मे,पो,टा,टी,दू,टे



आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को ज़िंदगी में लागू भी दे सकते हैं। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपका हमदम आपको पूरे दिन याद करता रहेगा। दूसरों में आपको पता लग सकता है कि जिसे आप अपना दुश्मन समझते थे, वह दुरुस्ते आपका शुभचिंतक है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,पण,उ,पे,पो



खुरी से भरा अच्छा दिन है। दिन की गुरुआत भले हो अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी बहाने से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। मुक्तिर्न है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि उच्छा न करें कि वे आपके गुणाधिक काम करें, बल्कि अपने काम करने का तरीका बदलकर पढ़ें। दिन को ख़ाम बनाने के लिए चंद और उदरता के छोटे-छोटे मोहक लोगों को हैं। अपनी नीकरी से चिपकें रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आपको आपकी मदद करेंगे। आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते



आज आपको वेबजड़ पैसा खर्च करने में खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरूरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। कुछ समय आप अपने सौक और आपने परिवार जनों की मदद में भी खर्च कर सकते हैं। रोमांस के लिए बहाए गए काम असर नहीं दिखाएंगे। आज झगड़ा हो सकता है, बहाने आप अपनी बात धनी-भाँति रखें और काम में लगन व उसाह दिखाएँ। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की जरूरत है। श्रितेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद-विवाद हो सकता है, लेकिन आखिर में सब ठीक हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू



धन आपके लिए जरूरी है लेकिन धन को लेकर इतने संवेदी न हो जाए कि आपने देशों को ही खराब कर दें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जायें अपने प्रेम-जीवन में अभी ऊँचा का चपार कर सकते हैं। चंदना की गंधित को खूबने हुए वह कृता जा सकता है कि आप आपके पास काफी खाली बक्त होगा। मुक्तिर्न है कि आपके माता-पिता आपको जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

धनु – ये,यो,म,मी,भू,धा,फा,बा,भे



अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएँ और छुपाएँ नहीं। अपने जज्बत दूसरों के साथ साझा करने से फायदा मिलेगा। इस राशि के विद्यार्थित जात्रकों को आज ससुराल पक्ष से धन स्वाम होने की संभावना है। अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें। आज के दिन आप कार्यक्षेत्र में कुछ बढ़िया कर सकते हैं। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी चपल से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि



दोस्तों की मदद से धिनीय कठिनाईयाँ हल हो जाएगी। ऐसा लगता है कि पारिवारिक-साँचे पर आप ज्यादा ख़ुश नहीं हैं और कुछ अड़धनों का सामना कर रहे हैं। प्यार-सहृदय के लिहाज से दिन थोड़ा मुश्किल रहेगा। आपकी कड़ी मेहनत और निहा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी चपल से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे। श्रितेदारों का दखल शादीशुदा ज़िन्दगी में परेशानी पैदा कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द



आपके भाई-बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। आप अगर हर किसी की मांग पूरी करने की कोशिश करेंगे, तो सिर्फ़ नاکामी आपके हाथ लगेंगी। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आज जीवनसाथी के साथ खाली चक्क बिताने समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी बक्त देना चाहिए। बढ़िया खाना, रोमांती घल और जीवनसाथी का साथ यही ख़ास है आज।

मीन – दी,दू,थ,अ,ज,दे,दो,चा,ची



आज आपका स्वास्थ्य दुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फायदा दिलायेगा। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 30 अक्टूबर 2026 , शुक्रवार

विमान संवत : 2083

मास : कार्तिक कृष्ण पक्ष

तिथि : पंचमी रात्रि 07:26 तक

नक्षत्र : भृगुशिरा प्रातः 09:05 तक

योग : शिव रात्रि 08:41 तक

करण : कौलव प्रातः 08:47 तक

चन्द्रराशि : मिथुन

सूर्योदय : 06:13, सूर्यास्त 05:45 (हैदराबाद)

सूर्योदय : 06:12, सूर्यास्त 05:53 (बैलार)

सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 05:45 (तिरुपति)

सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 05:37 (विजयवाडा)

शुभ चौडिडि

बकर : 06:00 से 07:30

लग्न : 07:30 से 09:00

अमृत : 09:00 से 10:30

शुभ : 12:00 से 01:30

महानक्षत्र : प्रातः 10:30 से 12:00

दिवालग्न : पौषिग दिवा

उपवा : शुभ पक्ष कृता कौ

दिन शिरो : कार्तिक मास दीपदान

ॐ पाण्डित्य विश्व में सम्पर्क करें ॐ

पं.चिदम्बर मिश्र (टिड्डु महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान,

भागवत कथा एवं मूल पारायण,

वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह,

कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष

सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं

फ़क़ड़ का मन्दिर, रिकारवाज,

हैदराबाद, (तेलंगाना)

9246159232, 9866165126

chidamber011@gmail.com



व्यापारियों ने की ‘दिल्ली चलो’ मार्च स्थगित करने की मांग

एक नवंबर को रामलीला मैदान में मार्च से व्यापार प्रभावित होने की आशंका, 10 हजार करोड़ रुपये के नुकसान का दावा

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

त्योहारी सीजन को देखते हुए देश के जीर्ष उद्यमी-व्यापारी संगठन भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने दिल्ली के रामलीला मैदान में एक नवंबर को कांग्रेस सहित विपक्षी दलों द्वारा आयोजित प्रस्तावित ‘दिल्ली चलो’ मार्च को स्थगित करने की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि मार्च आयोजित किया गया, तो देश-प्रदेश के व्यापारी संगठन संबंधित राजनीतिक दलों के कार्यालयों और उनके नेताओं के निर्वाचन क्षेत्रों में धरना-प्रदर्शन एवं आंदोलन करेंगे। संगठन ने कहा कि वह ‘जैसे को तैसा’ की नीति अपनाते हुए आंदोलन की शुरुआत राहुल गांधी के निर्वाचन क्षेत्र रायबरेली, उत्तर प्रदेश से करेगा।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री तथा उत्तर प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन रविकांत गर्ग ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, कांग्रेस और कथित ‘इंडी गठबंधन’ के नेताओं द्वारा त्योहारी सीजन में एक नवंबर को आयोजित प्रस्तावित मार्च का तीव्र विरोध किया।

त्योहारों के मौसम में मार्च पर आपत्ति रविकांत गर्ग ने कहा कि नवरात्रि से देव-प्रेथान एकादशी तक लगातार त्योहारों का माहौल रहता है।

चातुर्मास यानी देवशयनी एकादशी से देव-प्रेथान एकादशी तक विवाह-शादी और अन्य मांगलिक कार्य बंद रहते हैं। इस कारण तीन से चार महीने व्यापार में काफी मंदी रहती है। इस अवधि में करोड़ों उद्यमियों और व्यापारियों को लाभ के बजाय नुकसान उठाना पड़ता है तथा कर्मचारियों का वेतन भी अपनी जेब से देना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली थोक व्यापार का एक बड़ा केंद्र है। ऐसे में त्योहारी सीजन के दौरान मार्च आयोजित होने से थोक व्यापार बुरी तरह प्रभावित होगा। थोक मंडियों से माल का उठान प्रभावित होने पर विनिर्माण क्षेत्र पर भी असर पड़ेगा और देश की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

त्योहारों पर रोजगार प्रभावित होने की आशंका गर्ग ने बताया कि 29 अक्टूबर को करवाचौथ के बाद एक नवंबर को अहोई अष्टमी का पर्व है। इसके बाद धनतेरस, छोटी दिवाली, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैया दूज, यम द्वितीया, गोपाष्टमी, अक्षय नवमी और देवोत्थान एकादशी जैसे पर्व भी नजदीक हैं। ऐसे समय में मार्च से सनातनी समाज सहित व्यापारी-उद्यमी वर्ग प्रभावित होगा। इसके साथ मजदूरों, कर्मचारियों, खोमचे वालों तथा रेहड़ी-पटरी दुकानदारों के रोजगार पर भी असर पड़ने की आशंका है।

उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, दिल्ली के उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री से अपील की कि दिल्लीवासियों के हितों की रक्षा तथा राजस्व की क्षति रोकने के लिए प्रस्तावित मार्च की अनुमति किसी भी परिस्थिति में नहीं दी जाए।

मंदी के बाद त्योहारों से उम्मीद संगठन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष जगदीश बेरीवाल और वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामगोपाल गोयल ने कहा कि व्यापारी वर्ग मंदी के दौरान हुए नुकसान की भरपाई त्योहारों के बाद विवाह-शादी और अन्य मांगलिक कार्यों के मौसम में होने वाले कारोबार से करने की उम्मीद करता है।

व्यापार बढ़ने से व्यापारी अपने परिवारों के साथ-साथ उन पर आश्रित लाखों-करोड़ों परिवारों का भरण-पोषण कर पाते हैं। ऐसे में त्योहारी सीजन में व्यवधान से उनकी आर्थिक

स्थिति प्रभावित हो सकती है।

10 हजार करोड़ के नुकसान का दावा भारतीय उद्योग व्यापार मंडल, दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष नवीन गर्ग, प्रदेश चेयरमैन नरेश ऐरन और प्रदेश वरिष्ठ महामंत्री मुनीष बंसल ने विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि राजनीतिक उद्देश्यों से जंतर-मंतर के बाद अब रामलीला मैदान में अशांति उत्पन्न करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि इससे करीब 10 हजार करोड़ रुपये के व्यापार का नुकसान हो सकता है। इसका असर करोड़ों उद्यमी-व्यापारी परिवारों, उन पर आश्रित मजदूरों, कामगारों और रेहड़ी-पटरी वालों की आजीविका पर पड़ेगा। साथ ही केंद्र और राज्य सरकारों के राजस्व पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने की अपील संगठन के मीडिया प्रभारी विपिन गुप्ता सहित वरिष्ठ व्यापारी नेताओं ने आरोप लगाया कि संसद में देशहित में भूमिका निभाने के बजाय कुछ नेता सत्ता हासिल करने के लिए ‘दिल्ली चलो’ जैसे आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकांश देशवासी शांति, व्यवस्था, प्रगति, समृद्धि और विकास के समर्थक हैं तथा अपनी दैनिक दिनचर्या और गतिविधियों में व्यवधान पसंद नहीं करते।

संगठन के एमएसएमई मंच के प्रदेश संयोजक आशीष मित्तल ने कहा कि दिल्ली में अधिकांश वस्तुओं और जिस्नों की थोक मंडियाँ हैं। देश और विदेश का व्यापार भी काफी हद तक दिल्ली से जुड़ा हुआ है। ऐसे समय में एक नवंबर को मार्च आयोजित होने से दिल्ली के साथ देशभर के करोड़ों उद्यमियों, व्यापारियों, छोटे-बड़े कारोबारियों, दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी वालों की आर्थिक स्थिति बुरी तरह प्रभावित हो सकती है।



जिला वन अधिकारी श्री रवि प्रसाद ने श्री अंजनेयस्वामी के दर्शन के लिए कोड्डागुर् मंदिर का दौरा किया। इस अवसर पर मंदिर के कार्यकारी अधिकारी अंजना रेड्डी ने उनका स्वागत किया। इसके बाद श्री रवि प्रसाद ने श्री स्वामी के दर्शन किए और विशेष पूजा-अर्चना में भाग लिया।

मंचेरियाल में हमलों से बढ़ी चिंता, कानून-व्यवस्था पर सवाल



मंचेरियाल, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले के तल्लापेट, पुराने मंचेरियाल और लक्ष्मीपेट में हमलों की घटनाओं को लेकर लोगों में चिंता बढ़ रही है। लक्ष्मीपेट में घरों में घुसकर मारपीट किए जाने के आरोपों ने जिले की कानून-व्यवस्था और पुलिस की एहतियाती कार्रवाई पर सवाल खड़े किए हैं। पिछले कुछ दिनों से स्थानीय विधायक प्रेम सागर राव, मंत्री विवेक वेंकटस्वामी और उनके पुत्र एवं पेटापल्ली के सांसद वंशी कृष्णा के बीच कथित विवादों और हमलों की चर्चाओं से भी लोगों में चिंता बताई जा रही है। लोगों में मांग की है कि सभी घटनाओं की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक कारणों का पता लगाया जाए और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही, संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने, शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने और खुफिया तंत्र की भूमिका की समीक्षा करने की जरूरत जताई गई है। जनता की मांग है कि पुलिस प्रशासन केवल आश्वासन देने के बजाय सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करे और लोगों में विश्वास कायम करने के लिए जांच एवं कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट करे। हालांकि, संबंधित घटनाओं और आरोपों पर पुलिस का आधिकारिक पक्ष सामने आना अभी आवश्यक है।

296 विद्यार्थियों को गणवेश वितरित



मदनूर, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस पार्टी मंडल अध्यक्ष, दारावार उपसरपंच वटनलवार रमेश, स्थानीय कांग्रेस नेता संतोष मेस्त्री तथा कोडचोरा गांव के पूर्व सरपंच संतोष पाटिल ने गुरुवार को स्थानीय सेठ राम प्रसाद इनानी सरकारी जूनियर कॉलेज में विद्यार्थियों को वर्दी वितरित की। कॉलेज के प्रधानाचार्य पांडुरंग ने बताया कि राईजिंग तेलंगाना कार्यक्रम के तहत इंटरमीडिएट बोर्ड ऑफ एजुकेशन के तत्वावधान में कुल 296 विद्यार्थियों को कपड़े उपलब्ध कराए गए। इस अवसर पर कॉलेज के शिक्षक और विद्यार्थी भी उपस्थित थे।

लाभार्थियों को कल्याण लक्ष्मी चेक वितरित



बांसवाड़ा, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री पोचराम श्रीनिवास रेड्डी ने वर्णी मंडल केंद्र स्थित जनरल फंक्शन हॉल में कल्याण लक्ष्मी एवं शादी मुबारक योजनाओं के तहत 142 लाभार्थियों को चेक वितरित किए। ये लाभार्थी वर्णी, चांदूर, मोशरा, रुद्रूर, पोथंगल, कोटागिरी और संबंधित मंडलों के निवासी हैं। इस कार्यक्रम में वर्णी मार्केट कमेटी के चेयरमैन सुरेश बाबा, कोटागिरी मंडल मार्केट कमेटी के अध्यक्ष श्री गायकवाड़ हनमंथ सहित संबंधित मंडलों के जनप्रतिनिधि, नेता, अधिकारी और लाभार्थी उपस्थित रहे।

बस्ती दवाखाना कर्मचारियों की सेवा मार्च 2027 तक जारी रहेगी

तेलंगाना सरकार ने जारी किए आदेश, 1,698 कर्मचारियों को मिलेगा लाभ



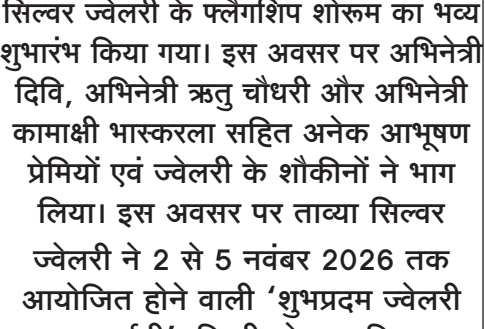
बांसवाड़ा, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के बस्ती दवाखानों में अनुबंध प्रणाली के तहत कार्यरत मेडिकल ऑफिसर, स्टाफ नर्स, सपोर्ट इंजीनियर (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन-एनएचएम) और सपोर्टिंग स्टाफ कर्मचारियों की सेवाएं अप्रैल 2026 से मार्च 2027 तक जारी रखने के लिए सरकारी आदेश जारी किए गए हैं। इन आदेशों के तहत अनुबंध प्रणाली में कार्यरत 1,000 कर्मचारियों और आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत 550 कर्मचारियों की सेवाएं जारी रहेंगी। समाचार में कुल 1,698 कर्मचारियों का उल्लेख किया गया है।

सरकार द्वारा निर्धारित मानदेय के अनुसार, मेडिकल ऑफिसर को 52,000 रुपये, स्टाफ नर्स को 29,900 रुपये, सपोर्ट इंजीनियर (एनएचएम) को 35,000 रुपये और सपोर्टिंग स्टाफ को 15,600 रुपये दिए जाएंगे। तेलंगाना सरकार ने इस संबंध में चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के आयुक्त को आदेश जारी किए हैं। पिछले शनिवार को एमएलसी कोडंडाराम ने इन कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए आयुक्त कार्यालय के अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया और सेवा निरंतरता के आदेश जारी कराने के प्रयास किए।

इसके लिए बस्ती दवाखाना तेलंगाना संपर्क एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ के अध्यक्ष मंगलपति सुमन, महासचिव अंजद अली खान, संयोजक मेट्टुकु उप्पलैया, संयुक्त सचिव राउतु नरसिम्हा और कार्यकारिणी सदस्यों ने तारनाका स्थित एमएलसी कोडंडाराम के आवास पर उनसे मुलाकात की। उन्होंने एमएलसी कोडंडाराम, तेलंगाना जन समिति के श्रम विभाग संयोजक अकुला श्रीनिवास, तेलंगाना सरकार और उच्च अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मेडिकल जिले से साइमन राजू, अनीता, सुशीला, अश्विनी, श्रीलता, भाविका, शांतमा और स्वप्ना; रंगारेड्डी जिले से हरिका; तथा राजन्ना सिरिसिला जिले से गद्दाम अनीता और थंबाडी प्रमिला सहित अन्य आउटसोर्सिंग कर्मचारी उपस्थित रहे और उन्होंने कोडंडाराम के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के नेता ज़हीर ने भी हिस्सा लिया।

जुबली हिल्स स्थित रोड नंबर 36 पर ताव्या सिल्वर ज्वेलरी के फ्लैगशिप शोरूम का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अभिनेत्री दिवि, अभिनेत्री ऋतु चौधरी और अभिनेत्री कामाक्षी भास्करल्ला सहित अनेक आभूषण प्रेमियों एवं ज्वेलरी के शौकीनों ने भाग लिया। इस अवसर पर ताव्या सिल्वर ज्वेलरी ने 2 से 5 नवंबर 2026 तक आयोजित होने वाली ‘शुभप्रदम ज्वेलरी प्रदर्शनी’ की भी घोषणा की।



गायत्री कॉलेज के विद्यार्थियों ने किया रक्तदान

पेटापल्ली, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के तत्वावधान में पुलिस शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से पेटापल्ली में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इसमें गायत्री जूनियर, डिग्री एवं पीजी कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान किया और मानवता व समाजसेवा का संदेश दिया।

इस अवसर पर कॉलेज प्रमुख अल्लुकी श्रीनिवास, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) कार्यक्रम अधिकारी सम्मद तथा छात्राओं ने भाग लिया।



महादेव के कई चमत्कारी रूप हैं भगवान शिव सौम्य प्रकृति एवं रौद्ररूप दोनों के लिए विख्यात हैं। अन्य देवों से शिव को भिन्न माना गया है। सृष्टि की उत्पत्ति, स्थिति एवं संहार के अधिपति शिव हैं।

सबसे जल्दी प्रसन्न होने वाले महादेव भोलेबाबा के नाम से अपने भक्तों में प्रसिद है

भोले-भंडारी शिव-शंकर अपने भक्तों को हर संकट से उबारते हैं, मुश्किल घड़ी में उन्हें राह दिखाते हैं। तभी तो देवता भी अपने कष्टों के निवारण के लिए भोले-भंडारी की ही शरण में जाते हैं।

भोले-भंडारी शिव-शंकर अपने भक्तों को हर संकट से उबारते हैं, मुश्किल घड़ी में उन्हें राह दिखाते हैं। तभी तो देवता भी अपने कष्टों के निवारण के लिए भोले-भंडारी की ही शरण में जाते हैं। महादेव के कई चमत्कारी रूप हैं भगवान शिव सौम्य प्रकृति एवं रौद्ररूप दोनों के लिए विख्यात हैं। अन्य देवों से शिव को भिन्न माना गया है।

सृष्टि की उत्पत्ति, स्थिति एवं संहार के अधिपति शिव हैं। त्रिदेवों में भगवान शिव संहार के देवता माने गए हैं। शिव अनादि तथा सृष्टि प्रक्रिया के आदिश्रोत हैं और यह काल महाकाल ही ज्योतिषशास्त्र के आधार हैं। शिव का अर्थ यद्यपि कल्याणकारी माना गया है, लेकिन वे हमेशा लय एवं प्रलय दोनों को अपने अधीन किए हुए हैं। शिव में परस्पर विरोधी भावों का सामंजस्य देखने को मिलता है। सबसे जल्दी प्रसन्न होने वाले यह महादेव भोलेबाबा के नाम से अपने भक्तों में प्रसिद है। यह महातपस्वी महा अघोरी और तंत्र मंत्र के रचयिता हैं। तांत्रिकों और अघोरियों के यह परम आराध्य है। इन्होंने अनेकों अवतार जनकल्याण के लिए लिया है।

आपने देखा होगा कि शिव भक्त भोले बाबा को बेलपत्र और भांग धतूरा चढ़ाते हैं। जबकि अन्य देवी देवताओं को मिष्ठान और विभिन्न प्रकार के भोग चढ़ाते हैं। इसके बावजूद भी भोले बाबा भांग धतूरा और बेलपत्र चढ़ाने वाले पर मेहरबान हो जाते हैं।

भगवान भोलेनाथ को यह सभी चीजें पसंद क्यों हैं इसका उत्तर पुराणों में मिलता है। पुराणों के अनुसार सागर मंथन के समय जब हालाहल नाम का विष निकलने लग तब विष के प्रभाव से सभी देवता एवं जीव-जंतु व्याकुल होने लगे। ऐसे समय में भगवान शिव ने विष को अपनी अंजुली में लेकर पी लिया। विष के प्रभाव से स्वयं को बचाने के लिए शिव जी ने इसे अपनी कंठ में रख लिया इससे शिव जी का कंठ नीला पड़ गया और शिव जी नीलकंठ कहलाने लगे।

लेकिन विष के प्रभाव से शिव जी का मस्तिष्क गर्म हो गया। ऐसे समय में देवताओं ने शिव जी के मस्तिष्क पर जल डडलेना शुरू किया जिससे मस्तिष्क की गर्मी कम हुई। बेल के पत्तों की तासीर भी ठंडी होती है इसलिए शिव जी को बेलपत्र भी चढ़ाया गया। इसी समय से शिव जी की पूजा जल और बेलपत्र से शुरू हो गयी। बेल पत्र



जी का मस्तिष्क शीतल रहता और उन्हें शांति मिलती है। इसलिए बेलपत्र और जल से पूजा करने वाले पर शिव जी प्रसन्न होते हैं। शिवरात्रि की कथा में प्रसंग है कि, शिवरात्रि की रात में एक भील शाम हो जाने की वजह से घर नहीं जा सका। उस रात उसे बेल के वृक्ष पर रात बितानी पड़ी। नींद

आने से वृक्ष से गिर न जाए इसलिए रात भर बेल के पत्तों को तोड़कर नीचे फेंकता रहा। संयोगवश बेल के वृक्ष के नीचे शिवलिंग था। बेल के पत्ते शिवलिंग पर गिरने से शिव जी प्रसन्न हो गये। शिव जी भील के सामने प्रकट हुए और परिवार सहित भील को मुक्ति का वरदान प्राप्त हुआ।

नटराज रूप :

इस रूप में शिवजी नृत्य करते नजर आते हैं। यह सबसे उत्तम नर्तक और नृत्य के जनक कहलाते हैं। इनका तांडव नृत्य सबसे प्रमुख है। यह तांडव दोनों रूपों में है एक प्रलयकारी तांडव जो शिव के क्रोधित होने पर किया जाता है। और अन्य सौम्य तांडव जो शिव के प्रसन्न होने पर किया जाता है। रौद्र तांडव शिवजी करने से वो रुद्र कहलाते थे जिससे सृष्टि में महाविनाश आ जाता है।

कैसे दिखाई देते है भोलेनाथ :

जटाधारी शिव एक तपस्वी की तरह दिखते है जो माया धन से परे है। भस्म से अपना श्रंगार करते है। हलाहल विष का पान करने से यह नीलकंठ वाले है। इनकी जटाओं और शरीर पर बहुत से नाग लिपटे हुए है। रुद्राक्ष की माला जटा पर हाथों पर बंधी हई है। ल्यम्बक शिव इसलिए कहलाते है क्योंकि इनके एक तीसरी आँख भी है। इनकी जटाओं में गंगा और शीश पर अर्धचन्द्रमा सुशोभित है। माँ शक्ति के साथ इनका अद्वितीय रूप जगत रचियता है।

और जल से शिव

यह व्रत सूर्य के अशुभ प्रभाव को कम कर सौभाग्य में वृद्धि व चर्म, नैत्र विकार नाशक भी है

सूर्य की उपासना अति फलदायक होती है। सूर्य के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए और सूर्य को प्रबल बनाने के लिए रविवार का व्रत करना बहुत ही फलदायक है। इस व्रत को करने से आयु और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

सूर्य ही एक ऐसे देवता हैं जो प्रत्यक्ष दिखते हैं। सूर्य की उपासना अति फलदायक होती है। सूर्य के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए और सूर्य को प्रबल बनाने के लिए रविवार का व्रत करना बहुत ही फलदायक है। इस व्रत को करने से आयु और सौभाग्य में वृद्धि होती है। एवं सर्व कामना सिद्धि भी प्राप्त होती है। यह व्रत चर्म और नैत्र आदि विकार नाशक भी है। इस व्रत को निम्न तरीके से पूर्ण श्रद्धा के साथ करें। दिनभर व्रत रखकर सायंकाल अग्निहोत्र आदि कर बिना नमक का भोजन करना चाहिए। इस प्रकार महीने में प्रत्येक रविवार को सूर्य की उपासना करने से दैविक, दैहिक और भौतिक तीनों कष्टों से छुटकारा मिल जाता है। रविवार का व्रत किसी भी माह के शुक्ल पक्ष के प्रथम रविवार से प्रारंभ करें और एक वर्ष अथवा 12 या 30 रविवार तक करें।

रविवार के दिन प्रातः स्नान आदि करके लाल वस्त्र धारण करें एवं मस्तक पर लाल चन्दन का तिलक करें तथा ताम्बे के कलश में जल लेकर उसमें रोली, अक्षत, लाल पुष्प डालकर श्रद्धापूर्वक सूर्यनारायण को अर्घ्य प्रदान करें।

एवं “ऊ हा हौं सः सूर्याय नमः” इस बिज मंत्र का यथाशक्ति जाप करें। इस दिन भोजन सूर्यास्त से पहले करें। भोजन में गेहूँ की रोटी अथवा गेहूँ का दलिया या इस का हलवा बनाये। भोजन से पूर्व इस हलवा का कुछ भाग देवस्थान या बालक-बालिका को देकर भोजन करें। भोजन में प्रथम हलवा ग्रहण करें फिर अन्य पदार्थ ग्रहण करें। भोजन में नमक का प्रयोग ना करें। अंतिम रविवार को हवन क्रिया के पश्चात योग्य दम्पति को भोजन कराकर लाल वस्त्र एवं यथेच्छा दक्षिणा प्रदान करें।



हनुमानजी ऐसे पूज्य देव हैं, जो कलियुग में भी साक्षात् रहते हैं। वह ब्रह्मचारी और प्रभु श्रीराम के अमिट भक्त हैं। लेकिन पवनपुत्र के बारे में ऐसी कई बातें हैं जो वर्तमान में किसी रहस्य से कम नहीं। इन बातों की उल्लेख हिंदू धार्मिक ग्रंथों और रामायण के तमाम संस्करणों में उल्लेख मिलता है। जैसे कि...

हनुमानजी ऐसे पूज्य देव हैं, जो कलियुग में भी साक्षात् रहते हैं

हनुमानजी भगवान शिव के अवतार हैं। वह शक्ति, भक्ति, और दृढ़ता का प्रतीक हैं।

१. हनुमानजी भगवान शिव के अवतार हैं। वह शक्ति, भक्ति, और दृढ़ता का प्रतीक हैं।
२. हनुमानजी की मां पूर्वजन्म में अप्सरा थीं। जो एक शाप के कारण पृथ्वी पर जन्मीं और भगवान शिव के अवतार हनुमानजी की मां बनने का सौभाग्य मिला।
३. हनुमानजी बचपन से ही भगवान श्रीराम को अपना आराध्य देव मानते थे। और जब वह श्रीराम से वह मिले तो प्रसन्नता के आंसुओं को रोक नहीं पाए।
४. जब श्रीराम के अनुज लक्ष्मण जी मूर्छित हो गए तब हनुमानजी अपने एक हाथ पर ही पूरा एक पर्वत ले आए थे। वह इसीलिए क्योंकि उस पर्वत पर संजीवनी बूटी थी। जिससे से लक्ष्मण जी को मूर्छित अवस्था से दूर किया जा सके।

५. गोस्वामी तुलसीदास द्वारा लिखित हनुमान चालीसा का पाठ यदि मंगलवार और शनिवार को किया जाए तो बजरंगबली की कृपा उस भक्त पर हमेशा बनी रहती है। जब श्रीराम की मृत्यु हुई तब हनुमानजी ने यम (मृत्यु के देवता) पर जाने से रोका था। लेकिन बाद में स्थितियां बदलीं और श्रीराम विष्णुलोक गए।

६. हनुमानजी ने श्रीराम को अंतिम समय में यह वचन दिया था। कि वह पृथ्वी पर अदृश्य रूप में रहकर राम नाम का स्मरण करते हुए उन्हें महाप्रलय तक पूजते रहेंगे। इसीलिए माना जाता है हनुमानजी

७. आज भी हमारे बीच में हैं। और उन्हें सच्चे मन से याद किया जाए तो वह भक्तों की मनोकामना पूरी करते हैं।

ऐसा करने से गणेश जी प्रसन्न होकर सारे विघ्नों को दूर करते हैं

जिसके कारण भगवान गणेश की पूजा करने का सबसे शुभ दिन है। शिव-पार्वती के पुत्र गणेश जी को हम कई नामों से जानते हैं जैसे कि सुमुख, एकदंत, कपिल, गजकर्ण, लंबोदर, विकट, विघ्ननाशन, विनायक, धूमकेतु, गणाध्यक्ष, भालचंद्र, गजानन। जिन्हें हम कष्टों को हरने वाला मानते हैं।

सर्वप्रथम गणेशजी की पूजा हर दिन हर घर में की जाती है। सच्चे मन से गणेश की पूजा की जाए तो आपकी हर मनोकामना पूर्ण होगी। बुधवार के दिन इनकी पूजा का विशेष महत्व है।
“वक्रतुंड महाकाय सूर्यकोटी समप्रभ। निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा।।”

हे भव्य शरीर, वक्र सूंड, दश लक्ष सूर्यों की चमक वाले गणेशजी, मेरे सारे कर्मों को विघ्नों से हमेशा मुक्त करते रहना। सर्वप्रथम पूज्य गणेशजी की पूजा तो हर दिन हर घर में की जाती है। सच्चे मन से गणेश की पूजा की जाए तो आपकी हर मनोकामना पूर्ण होगी। बुधवार के दिन इनकी पूजा का विशेष महत्व है। जिसके कारण भगवान गणेश की पूजा करने का सबसे शुभ दिन है। शिव-पार्वती के पुत्र गणेश जी को हम कई नामों से जानते हैं जैसे कि सुमुख, एकदंत, कपिल, गजकर्ण, लंबोदर, विकट, विघ्ननाशन, विनायक, धूमकेतु, गणाध्यक्ष, भालचंद्र, गजानन। जिन्हें हम कष्टों को हरने वाला मानते हैं।

ऐसे करें पूजा
बुधवार या विनायक चतुर्थी के दिन ब्रह्म मूर्हत में उठकर सभी कामों से निवृत्त होकर स्नान कर लें। और भगवान की पूजा करें। इसके बाद दोपहर के समय अपनी इच्छा अनुसार सोने, चांदी, तांबे, पीतल या मिट्टी से बनी भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद संकल्प मंत्र पढ़ें और फिर श्री श्रीगणेश की षोडशोपचार (सोलह

सामग्रियों से) पूजन-आरती करें। भगवान गणेशजी की मूर्ति पर सिंदूर चढ़ाएं। इसके बाद ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र का उच्चारण करते हुए 21 दुर्वा दल चढ़ाएं। और बोग में गुड या बूंदी के 21 लड्डुओं खिलाएं। इनमें से 5 लड्डु मूर्ति के पास रख दें तथा 5 ब्राह्मण को दान कर दें। शेष लड्डु प्रसाद के रूप में बांट दें। इसके बाद पूजा में भगवान श्रीगणेश स्त्रोत, अथर्वशीर्ष, संकटनाशक स्त्रोत आदि का पाठ करें। ब्राह्मणों को भोजन कराएं और उन्हें दक्षिणा प्रदान करने के बाद शाम के समय स्वयं भोजन ग्रहण करें। संभव हो तो उपवास करें। इस व्रत का आस्था और श्रद्धा से पालन करने पर भगवान श्रीगणेश की कृपा आप पर बनी रहेगी। आप जिस काम में हाथ डालेंगे उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी।



की प्राप्ति होती है। धूप अर्पण करने से कीर्ति मिलती है। लड्डु अर्पण करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

इसलिए सबसे पहले मन को शांत करना जरूरी है

मन अशांत रहे, उसमें उथल-पुथल मची रहे, तो तन शांत व स्वस्थ कभी भी नहीं रह सकता। महर्षि अरविंद कहते हैं, मन अशांत रहे, उसमें उथल-पुथल मची रहे, तो तन शांत व स्वस्थ कभी भी नहीं रह सकता। इससे शरीर में अनेक प्रकार के रोग भी जन्म ले सकते हैं। इसलिए सबसे पहले मन को शांत करना जरूरी है। किसी बात पर यदि क्रोध आता है, तो हम अपनी प्रतिक्रिया देने लगते हैं। इससे बात बिगड़ जाने की आशंका बनी रहती है। इसलिए मौन रहना ही क्रोध को वश में करने का सबसे सटीक उपाय है।

स म । ट चंद्रगुप्त मौर्य के अनुसार, जीवन में एक बार किसी कर्म को करने का फैसला ले लिया, तो फिर पीछे मुड़ कर न देखें। बार-बार पीछे मुड़कर देखने वाले इतिहास नहीं बना पाते हैं। धृष्टकेतुश्रेष्ठिकितानः काशिराजश्च वीर्यवान

पुरुजिर्कुंतिभोजश्च शैब्यश्च नरपुंगवः।। धृष्टकेतु- दृढकर्तव्य, चेकिस्तानः - जहां भी जाए, वहां से चित्त को खींचकर इष्ट में स्थिर करना, काशिराजः - कायररूपी काशी में ही वह साम्राज्य है, पुरजित - स्थूल, सूक्ष्म और कारण शरीरों पर विजय दिलाने वाला पुरजित, कुंतिभोजः - कर्तव्य से भव पर विजय, नरों में श्रेष्ठ, शैब्य अर्थात् सत्य व्यवहार - युधामन्यु विक्रांत उत्तमौजाश्च वीर्यवान

सौभद्रो दौपदेयाश्च सर्व एव महारथाः।। और पराक्रमी युधामन्युः - युद्ध के अनुरूप मन की धारणा, उत्तमौजाः - शुभ की मस्ती, सुभद्रापुत्र अभिमन्यु - जब शुभ आधार आ जाता है तो मन भय से रहित हो जाता है - ऐसा शुभ आधार से उत्पन्न अभय मन, ध्यानरूपी द्रौपदी के पांचों पुत्र - वात्सल्य, लावण्य, सहदयता, सौम्यता, स्थिरता सब के सब महारथी हैं। साधन-पथ पर संपूर्णयोग्यता के साथ चलने की क्षमताएं हैं।



ट्रेंच कोट से फैशनबल लुक...



खूबसूरत दिखना और फैशनबल दिखने में बहुत अंतर है। फैशनेबल दिखने के लिए जरूरी है कि सबसे पहले यह जान लिया जाए कि ट्रेंड में क्या है और आपको हर मौसम के ट्रेंड के बारे में पता होना चाहिए। आजकल ट्रेंच कोट काफी ट्रेंड में है, जो स्टाइलिश लुक के साथ आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देंगे।

अगर आप ऐसी जगह पर रहती हैं जहां ज्यादा सर्द हवाएं नहीं चलती हैं, तो आप इन कोट्स को पहन सकती। जो कि बाहर घूमने के लिए अच्छे हैं। मिलिट्री ट्रेंच कोट देखने में काफी वर्सटाइल लगते हैं, और आप इन्हे कहीं पर भी पहन कर जा सकती हैं। ऑफिस सबसे अच्छी जगह है इसे पहने की। साथ ही आप इसे मीटिंग्स में भी पहन कर जा सकते हैं।

कैज्युअल ट्रेंच कोट पहने में बहुत ही आरामदायक होते हैं साथ ही यह काडिगन वॉटरफॉल की तरह दिखते हैं। इसे आप हाउस पार्टी, रोड ट्रिप्स, हैंगआउट्स आदि जगहों पर भी पहन सकती हैं।

यह विटर्स पार्टीज के लिए बहुत अच्छे हैं। लेंदर और फॉक्स फर ट्रेंच कोट बहुत वलासी और फैशनबल लगते हैं। इनकी फॉक्स फर कॉलर एजी लुक देती है।

उष्मा रोधी वैदिक प्लास्टर...



जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के बीच ऐसे मकानों की प्रासंगिकता आज बढ़ रही है जो उष्मा रोधी हों ताकि सर्दी और गर्मी दोनों से ही बचाव हो सके। पहले मिट्टी के बने और गोबर से लिपे कच्चे घरों में उष्मा को रोकने की क्षमता थी और उनमें सर्दी और गर्मी दोनों से बचाव होता था लेकिन अब कच्चे मकान व्यवहारिक नहीं है और इसीलिए पक्के मकानों को ही इस तरह का बनाने के लिए ऐसा प्लास्टर तैयार किया गया है जो उष्मा रोधी हो। यह वैदिक प्लास्टर प्रख्यात वैज्ञानिक डॉक्टर शिव दर्शन मलिक के दिमाग की देन है जिनका कहना है कि वैदिक प्लास्टर ध्वनि एवं अग्नि रोधक है तथा मकान को गर्मी में ठंडा तथा सर्दी में गर्म रखता है। इसके अलावा इस प्लास्टर में गोबर का मिश्रण होने की वजह से यह प्राकृतिक वायु शोधक है और वातावरण को प्रदूषण मुक्त रखता है। यह अपने आप में पूर्ण है क्योंकि इसमें रेत मिलाने की जरूरत नहीं पड़ती और न ही तराई करने की जरूरत पड़ती है।

वहां पुरुष करते हैं सोलह श्रृंगार...



सुह्रामन महिलाएं अपने पति के लिए सजती-संवरती है और सोलह श्रृंगार करती हैं लेकिन एक ऐसा मंदिर है, जहां पुरुषों को भगवान के दर्शन करने के लिए सोलह श्रृंगार करना पड़ता है। केरल के कोट्टिकुल्लंगरा मंदिर में मर्द पूजा करने के लिए महिलाओं की तरह सजते-संवरोते हैं। इस मंदिर में यह परंपरा सालों से चली आ रही है। यह केरल का इकलौता मंदिर है, जिसके गर्भगृह के ऊपर छत नहीं है। इस मंदिर में हर साल चाम्याविलकल फेस्टिवल मनाया जाता है। इस फेस्टिवल में माता की पूजा करने के लिए पुरुष महिलाओं की तरह साड़ी पहनते है और अच्छी तरह सजते हैं। कहा जाता है कि इस मंदिर में देवी की मूर्ति खुद प्रकट हुई थी। सोलह श्रृंगार करने के बाद पुरुष अच्छी नौकरी, सेहत, पार्टनर और अपने परिवार की खुशहाली को प्रार्थना करते हैं।

दूध पीना हानिकारक...?



दूध पीने के कई फायदे आपने सुने होंगे। आपने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि दूध पीने के भी नुकसान हो सकते हैं। हाल में हुए एक शोध में इस बात का खुलासा किया गया कि भले ही दूध पीने के काफ़ी फायदे हों लेकिन ज्यादा दूध पीना हड्डियों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में छपी स्टडी के अनुसार , दूध हमारी हड्डियों को कमजोर बनाता है। जो लोग ज्यादा दूध पीते हैं उनकी मौत भी जल्दी हो जाती है। इस रिसर्च में 20 साल तक 61,000 महिलाओं और 45,000 पुरुषों पर शोध किया गया। शोध में पता चला इन सभी की कोई न कोई हड्डी टूटी हुई थी। दूध की वजह से महिलाओं की हड्डियों में फ्रैक्चर होने के चांस बढ़ जाते हैं। स्टडी में यह भी पाया कि जो लोग दिन में तीन बार दूध पीते हैं उनके जल्दी मृत्यु के चांस दोगुने हो जाते हैं। जो लोग दिन में एक ग्लास दूध पीते है उनकी उम्र बढ़ जाती है।

शरीर पर टैटू बनवाने की दीवानगी युवाओं में ही नहीं बल्कि अधिक उम्र के लोगों में भी देखी जाती है। यह अमेरिका के एक बुजुर्ग दंपति ने साबित कर दिया है। उन्होंने सिर से पांव तक इतने टैटू बनवा डाले कि वे सर्वाधिक टैटू वाले दुनिया के वरिष्ठ नागरिक बन गए हैं। इस दंपति का गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज किया गया है। वास्तव में शरीर पर टैटू बनाने या गूदवाने का शौक लगातार फैशन में है और अब तो युवक,युवतियों के साथ-साथ बुजुर्गों में भी इसके प्रति दीवानगी बढ़ती जा रही है।

हमारी दुनिया में अलग-अलग मिजाज के शौकीनों की कोई कमी नहीं है लेकिन कई बार कुछ लोग मशहूर होने के चक्कर में सारी हद्द तोड़ देते हैं। शरीर पर टैटू बनाने या गूदवाने का शौक लगातार फैशन में है और अब तो युवक,युवतियों के साथ-साथ बुजुर्गों में भी इसके प्रति दीवानगी बढ़ती जा रही है।

इसकी दो वजहें हैं एक तो वर्ल्ड रिकार्ड बनाने की चाहत और दूसरी परंपरा। मध्यप्रदेश में बैगा समुदाय के पारंपरिक टैटू खासे लोकप्रिय हैं, वहीं नेपाल में टैटू के जरिए धर्म और संस्कृति को दर्शाया जाता है। इसी तरह, सुदूर-पूर्व में इंडोनेशिया के मेंतोआई द्वीप पर टैटू की अपनी एक पुरानी संस्कृति है। खासतौर पर वहां के मेंतोआई ओझा सजने-संवरने में काफ़ी विश्वास रखते हैं। आज भी वहां की पुरानी पीढ़ी को इस बात की चिंता है कि टैटू की पारंपरिक सुंदरता को कैसे बनाए रखा जा सके लेकिन उनके बच्चे इससे भाग रहे हैं।

कभी-कभार जब बाहर के लोग यहां आते हैं और दर्द की परवाह न करते हुए टैटू बनवाते हैं, तो उन लोगों को देख कर कुछ आदिवासी बच्चे टैटू गूदवाने को तैयार हो जाते हैं। जाहिर है, नई पीढ़ी में अगर अपनी संस्कृति के प्रति एक स्वाभाविक आकर्षण कम हुआ तो उसका फायदा बाजार उठाने से नहीं चूकेगा। यों भी, आज जब इन दुर्गम इलाकों में भी बाजार के पांव पहुंच रहे हैं तो टैटू संस्कृति के सामने भी खुद के किसी व्यवसाय में ढलने से बचाने की चुनौती खड़ी है। दरअसल, मेंतोआई टैटू दुनिया की सबसे पुरानी टैटू संस्कृति है, जो आज वहां शायद अपनी आखिरी पीढ़ी में ही बची हो।



देश के रामनामी बुजुर्ग

उतरप्रदेश के जमगाहन गांव के रामनामी समाज के बारे में कुछ लोग जानते होंगे। इस समाज की परंपरा अनेखी और 100 सालों से भी ज्यादा पुरानी है। रामनामी समाज की खास बात यह है कि इस समाज के लोग पूरे शरीर पर राम नाम का टैटू बनवाते हैं, लेकिन न तो ये कभी मूर्ति पूजा करते हैं और न ही मंदिर जाते हैं। 100 साल पहले धर्म के मतभेदों ने इस समाज के लोगों को मंदिर में जाने से रोक दिया था। तब अपने अग्रजान के विरोध में इन्होंने चेहरे सहित पूरे शरीर में राम नाम का गोदना गोदवा लिया। इस समाज के लोगों का कहना है कि रमरमिहा को ही रामनामी समाज कहा जाता है। छत्तीसगढ़ के सबसे गरीब और पिछड़े इलाके में रहने वाले राम टंडन पिछले 50 साल से इस परंपरा को निभा रहे हैं। 76 साल के रामनामी टंडन का कहना है कि जिस दिन मैंने ये राम नाम का गोदना बनवाया, उस दिन मेरा नया जन्म हुआ। 50 साल बाद उनके शरीर पर बने गोदना अब कुछ धुंधले से हो चुके हैं, लेकिन उनके विश्वास में कहीं कोई कमी नहीं आई है। इस समाज के लोगों के लिए शरीर के कुछ हिस्सों में टैटू बनाना जरूरी है। खासकर 2 साल का होने से पहले छाती पर राम गोदवाना जरूरी होता है। टैटू बनवाने वाले लोगों को शराब पीने की मनाही होती है। साथ ही, रोजाना राम नाम बोलना भी जरूरी होता है। ज्यादातर रामनामी लोगों के घरों की दीवारों पर राम-राम लिखा होता है। इस समाज के लोगों में राम-राम लिखे कपड़े पहनने का भी चलन है, और ये लोग आपस में एक-दूसरे को राम-राम के नाम से ही पुकारते हैं। नरंशिशख राम-राम लिखवाने वाले सारसकेला के 70 वर्षीय रामभगत ने बताया कि रामनामियों की पहचान राम-राम का गोदना गूदवाने के तरीके के मुताबिक ही की जाती है। शरीर के किसी भी हिस्से में राम-राम लिखवाने वाले रामनामी अलग-अलग नाम से पुकारे जाते है। माधो पर राम नाम लिखवाने वाले को शिरोमणि, पूरे माधे पर राम नाम लिखवाने वाले को सर्वांग रामनामी और पूरे शरीर पर राम नाम लिखवाने वाले को नखशिख रामनामी कहा जाता है।

क्या रात को सोने से पहले और सुबह उठने के बाद आप भी सबसे पहले अपने स्मार्ट फोन को चेक करते है..? अगर इस सवाल का जवाब हां है तो फिर आपको सावधान हो जाने की जरूरत है क्योंकि हो सकता है जिस स्मार्ट फोन को आप रात के अंधेरे में चेक कर रहे थे उसने सुबह होने तक आपकी आंखों की रोशनी को अस्थायी तौर पर छीन लिया हो। वैज्ञानिक और डॉक्टर इसे स्मार्ट फोन ब्लाइंडनेस कहते हैं। स्मार्ट फोन ब्लाइंडनेस तब होती है..जब रात के अंधेरे में कोई व्यक्ति अपना स्मार्ट फोन चेक करता है। ऐसा करते वक्त अगर आपकी एक आंख ढकी हुई और दूसरी खुली है तो आप अस्थायी तौर पर अंधे हो सकते हैं। द न्यू इंग्लैंड जनरल ऑफ मेडिसीन ने कुछ दिनों पहले स्मार्ट फोन ब्लाइंडनेस का जिक्र करते हुए एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी। रिपोर्ट में 22 वर्ष और 40 वर्ष की दो महिलाओं का जिक्र था...जो एक आंख से दिखाई न पड़ने की शिकायत लेकर डॉक्टरों के पास पहुंची थीं। शुरूआत में डॉक्टरों इसे किसी और बीमारी का लक्षण मानते रहे..लेकिन कई तरह की जांच करने के बाद भी डॉक्टर किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाए। इसके बाद दोनों मरीजों से उनकी स्मार्ट फोन इस्तेमाल करने की आदत के बारे में पूछा गया। दोनों महिलाओं ने डॉक्टरों को बताया कि वो रात को अपने बेड रूम की लाइट ऑफ करने के बाद काफ़ी देर तक अपना स्मार्ट फोन चेक किया करती थीं। ऐसा करते वक्त उनकी एक आंख तकिए से ढकी रहती थी..जबकि दूसरी आंख से वे स्मार्ट फोन चेक करती थीं।



ये अमेरिकी बुजुर्ग दंपति...

फ्लोरिडा के चार्ल्स हेल्मके को हाल ही में गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स की ओर से सर्वाधिक टैटू वाले वरिष्ठ नागरिक (पुरुष) की मान्यता मिली थी। इसके बाद अब उनकी जीवन संगिनी शार्लोट गूटेनबर्ग ने भी सर्वाधिक टैटू वाली वरिष्ठ नागरिक (महिला) होने का गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बना दिया है। पेशे से लेखिका और प्रशिक्षक शार्लोट के शरीर के 91.5 फीसद हिस्से पर रंग-बिरंगे टैटू बने हुए हैं। टैटू का रिकार्ड बनाने की उनकी यह कहानी एक दशक पहले शुरू हुई थी। उन्होंने 2006 में पहला टैटू बनवाया था। गिनीज ने कहा कि इसके बाद टैटू बनवाने की उनकी दीवानगी बढ़ती गई। जबकि उनके 75 वर्षीय जीवन साथी के शरीर के 93.75 फीसद भाग पर टैटू हैं। उन्होंने पहला टैटू दुनिया की सबसे पुरानी टैटू संस्कृति है, जो आज वहां अमेरिकी सेना में थे।

यह 74 साल का जवान

दिल्ली में रहने वाले 74 वर्षीय बुजुर्ग हर प्रकाश ऋषि के नाम 20 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हैं। वे खुद को गिनीज ऋषि के नाम से पुकारते है। इतना ही नहीं उनकी पत्नी भी गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर हैं और उनके बच्चे भी उनका भरपूर साथ देते हैं। एक तरफ जहां लोग एक टैटू बनवाने के दर्द को सहन नहीं कर पाते वहीं इस शख्स को देखने के बाद आपकी आंखें फटी की फटी रह जाएंगी। उनके मशहूर होने के पीछे दुनिया के अला-अलग देशों के झंडे और नक्शे (संख्या 500) के टैटू उनके शरीर पर गूदे होना उनकी मशहूरियत की प्रमुख वजह है, लेकिन इन दिनों वे देश-दुनिया की मशहूर हस्तियां जैसे नरेंद्र मोदी, बराक ओबामा, महारानी एलिजाबेथ, महात्मा गांधी और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सिपाहियों के टैटू उनके शरीर पर गूदवा रहे हैं। ऋषि के नाम 20 गिनीज रिकॉर्ड हैं। वे पहली बार गिनीज बुक में साल 1990 में शामिल किए गए थे। उन्होंने उनके दो अन्य दोस्तों के साथ 1001 घंटों तक स्कूटर की सवारी की थी। उनके नाम 39 सेकेंड में टमाटर केचअप की एक बोतल पीने का भी रिकॉर्ड था जिसे बाद में जर्मनी एक व्यक्ति ने 32 सेकेंड में पी कर तोड़ा था। वे लिस्का बुक ऑफ वर्ड रिकॉर्ड में भी कई बार शुमार किए जा चुके हैं। इतना ही नहीं, रिकॉर्ड बनाने की मुहिम में उनकी पत्नी भी शामिल हैं। उन्होंने दुनिया का सबसे छोटा वसीयतनामा लिखा है।



इंडोनेशिया की परंपरा

इंडोनेशिया के मेंतोआई द्वीप पर टैटू की अपनी एक पुरानी संस्कृति है। खासतौर पर वहां के मेंतोआई ओझा सजने-संवरने में काफ़ी विश्वास रखते हैं। वहीं लोग अपने दांतों को तीखा करवाने से लेकर शरीर के विभिन्न हिस्सों पर टैटू गूदवाते हैं। पहले पीट, फिर पांव और हाथ पर टैटू बनवाए जाते हैं। यहां तक कि सिर भी खाली नहीं छोड़ा जाता। इन्हें बनाने की प्रक्रिया बड़ी वििशिष्ट है और वही कलाकार टैटू बनाते हैं जो इस कला में माहिर हो। पारंपरिक टैटू बनाने के लिए पीतल की कील का इस्तेमाल किया जाता है। बनाने के बाद उस पर औषधी पौधों से बनी दवा लगाई जाती है, जिससे संक्रमण की गुंजाइश खत्म हो जाती है। ये लोग पेड़ों की आकृतियां अपने शरीर पर बनवाते हैं, ताकि परंपरा के जरिए प्रकृति से नता बना रहे। मेंतोआई द्वीप के आदिवासियों की सदियों से चली आ रही परंपरा में शरीर पर बना सही टैटू दरअसल उनकी योग्यता के बारे में बताता है और इसी हिसाब से उनके लिए कार्यक्षेत्र का चुनाव होता है। जिस काम को करने में बच्चा सक्षम हो और भविष्य में पारंगत हो सके, वही काम उसे दिया जाता है। दूसरे, शहरों से प्रभावित हो रही आदिवासियों की नई पीढ़ी के भविष्य को लेकर वहां के बुजुर्गों को चिंता होने लगी है। बच्चे अब पारंपरिक से नहीं, बल्कि आधुनिक कपड़े-जूते पहन कर बाहर के लोगों की तरह दिखना चाहते हैं। यही वजह है कि आज उनके बच्चे टैटू बनवाने से परहेज करने लगे हैं।

स्मार्ट फोन ब्लाइंडनेस...



रेंटिना का एडजेस्टमेंट

डॉक्टरों ने पता लगाया कि जब कोई व्यक्ति अंधेरे में एक आंख से मोबाइल फोन से निकलने वाली आर्टिफिशियल रोशनी की तरफ देर तक देखता रहता है तो उसे उस आंख से दिखाई देना बंद हो जाता है। यह परेशानी रात में भी हो सकती है..और सुबह उठने के बाद भी...स्मार्टफोन ब्लाइंडनेस की वजह से प्रभावित आंख की रोशनी करीब 15 से 20 मिनट तक जा सकती है। हमारी आंखों का रेंटिना बहुत संवेदनशील होता है..रोशनी से अंधेरे में जाने पर या फिर अंधेरे से रोशनी में जाने पर रेंटिना खुद को एडजेस्ट करता है। अंधेरे से निकलकर रोशनी में आने के बाद आंखों को पूरी तरह संवेदनशील होने में 5 से 7 मिनट्स लग जाते हैं..जबकि रोशनी से अंधेरे में जाने के बाद आंखों को पूरी संवेदनशीलता हासिल करने में 30 से 40 मिनट का वक्त लगता है।

तीसरे सबसे बड़े एविएशन मार्केट के रूप में बनने की उम्मीद है। इसी तरह से 2030 तक पहुंचते-पहुंचते इसके पहले स्थान पर काबिज होने का अनुमान है। फ़िक्री-केपीएमजी रिपोर्ट के अनुसार एविएशन इंडस्ट्री में वर्ष 2017 तक देश में रोजगार में दोगुनी वृद्धि होगी और यह बढ़ कर 1.17 लाख के करीब पहुंच जाएगा। आने वाले समय में इसमें एयरक्राफ्ट मेन्टेनेन्स इंजीनियर पदों के लिए भारी संख्या में प्रोफेशनलस की आवश्यकता पड़ेगी।

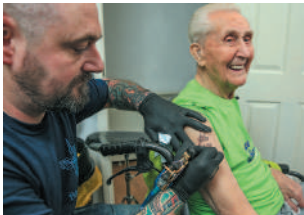
बारहवीं के बाद रखें कदम

एयरक्राफ्ट मेन्टेनेन्स इंजीनियरिंग तीन वर्षीय ट्रेनिंग कोर्स है। इसमें प्रवेश के लिए छात्रों को 10+2 की परीक्षा फिजिक्स, केमिस्ट्री व मैथ्स के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है। छात्र की आयु 23 वर्ष से अधिक न हो। इसमें फीस की राशि संस्थान पर निर्भर करती है। अमूमन तीन साल की कोर्स में कुल छह सेमेस्टर होते हैं। इनकी फीस करीब दो से छह लाख रुपए होती है। इसके अलावा हॉस्ट, यूनिफार्म, खाने, टूल-किट व अन्य खर्चें भी शामिल हैं। छात्र किस्तों में भी फीस दे सकते हैं।

बुजुर्गों में टैटू की दीवानगी...

104वें जन्मदिन पर टैटू

अभी मार्च में खबर आई थी कि इंग्लैंड के डर्बीशायर प्रांत के चेस्टरफिल्ड इलाके में रहने वाले जेक रेनोल्ड्स अपने 104वें जन्मदिन पर टैटू बनवाना चाहते हैं। अगर ऐसा होता तो वे इस उम्र में टैटू बनवाने वाले दुनिया के सबसे उम्रदराज व्यक्ति होते। इससे पहले रेनोल्ड्स ने अपने 102वें जन्मदिन पर आईस ब्रेकेट की चुनौती को पूरा कर रिकॉर्ड बनाया था। रेनोल्ड्स का कहना था कि वे अपने शरीर पर ऐसी जगह टैटू बनवाना चाहते है जहां टैटू को बड़ा आकार दिया जा सके। जब उनसे पूछा गया था कि क्या वे टैटू बनवाने को लेकर बेवेन हो रहे है तो उन्होंने कहा बिन्कुल भी नहीं, मैं काफ़ी मजबूत हूं और टैटू को लेकर काफ़ी उत्सुक हूं। रेनोल्ड्स की बेटी जेनी का कहना था कि कहा,मेरे पिता उम्र में बड़े जरूर है लेकिन दिल से वह जवान है। वह इंटरनेट और फेसबुक पर भी काफ़ी सक्रिय रहते हैं।



टैटू के स्वास्थ्य जोखिम

टैटू की जहरीली स्याही त्वा के माध्यम से शरीर में पहुंचकर कैंसर का खतरे बढ़ा सकती है। एक अध्ययन में पाया कि स्याही के छोटे छोटे जहरीले कण शरीर के बड़े अंगों में प्रवेश कर सकते हैं। स्याही को तैयार करने वालो ने भी माना कि करीब पांच फीसदी टैटू स्टूडियो ऐसी स्याही का उपयोग करते हैं, जिनमें कैंसर जन्य घटक मौजूद होते हैं। हालांकि ऐसी स्याही के उपयोग को बंद करने के प्रयास जारी हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार शरीर का संयोजी ऊतक रंजक से स्थायी रूप से नष्ट हो जाता है। जिसके बाद स्याही के छोटे छोटे कण यानी नैनो पार्टिकल्स त्वा से शरीर के अंदर पहुंच अंगों को नुकसान पहुंचाते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि जहरीले कण रक्त में प्रवेश कर लीह्रा और वृक्क को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

ताकि सुरक्षित रहे टैटू

टैटू को कभी ड्राई न होने दें उस पर समय-समय पर लोशन लगाते रहें। अपने टैटू की सुरक्षा के लिए जब भी घर से बाहर जाए सनस्क्रीन का प्रयोग करें। सर्नबर्न से टैटू के रंग फीके लगने लगते हैं। गर्मियों के दौरान सनस्क्रीन लोशन और सदैव्यों में लोशन का इस्तेमाल जरूर करें ताकि टैटू हमेशा नया और चमकता रहें। जो पुरुष ऐसी जगह पर काम करते रहते है जहां उन्हें पसीना ज्यादा आता है। उन के लिए जरूरी है कि पसीने से टैटू को बचाएं क्योंकि पसीना टैटू के रंग को तेजी से फीका करता है। इसलिए पसीना आने पर उसे साफ कपड़े से साफ करते रहें। कुछ वर्षों में लगे कि टैटू के रंग फीके हो रहे हैं और टच-अप की जरूरत है तो उसी टैटू कलाकार के पास जाए जिसने वह टैटू बनाया था। टैटू बनवाने के बाद सबसे महत्वपूर्ण है उसके ठीक होने का इंतजार करना. अगर यह अभी भी चिकित्सा की प्रक्रिया में है और टैटू में दर्द, सूजन और लाल है तो डॉक्टर के पास जाएं और पता करें कि कहीं यह संक्रमण तो नहीं। यदि इरा या पीला मवाद बाहर आ रहा है, तो डॉक्टर के पास जाने में बिन्कुल भी देर नहीं करनी चाहिए क्योंकि देर करने से टैटू क्षेत्र पर एक बदसूरत छेद हो सकता है। शरीर के किसी हिस्से में टैटू गूदवाने के बाद उसका ध्यान रखना बेहद जरूरी है। टैटू बनाने वाले आमतौर पर आपको टैटू गूदवाने वाली जगह पर गर्म पानी से धोने और चार दिनों तक रोजाना खास महरम लगाने की सलाह देते हैं। यह सलाह जरूर मानें।



आंखों का रंग

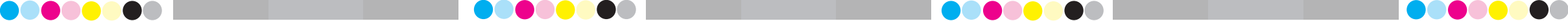
अगर आपकी आंखों का रंग नीला है तो आप इसानों के उस समूह का हिस्सा हैं..जो एक ही पूर्वज की संतान हैं। नीली आंखों वाला पहला मनुष्य आज से करीब 7 हजार वर्ष पहले अस्तित्व में आया था। इसानों की आंखों का रंग शुरूआत में भूरा था..और इसके रंग में जेनेटिक मोशन की वजह से बदलाव आते रहे..यानी अगर आपकी आंखों का रंग भूरा है..तो आपकी आंखें वैसी ही हैं जैसी प्राचीन मनुष्य की हुआ करती थीं। एक इसान एक मिनट में औसतन 17 बार पलकें झपकाए हैं..ऐसा करना जरूरी है..नहीं तो आपकी आंखों पर काफ़ी दबाव पड़ सकता है। उम्र बढ़ने पर भी आपकी आंखों का आकार लगभग उतना ही रहता है..जितना पैदा होने के बाद.. यानी बचपन में था। आपकी आंखों से रोंते वक्त, जलन के वक्त और जम्हाई लेते वक्त जो आंसू निकलते हैं..उन्में अलग अलग तत्व होते हैं। आपकी आंखें लगातार हिलती रहती हैं..ऐसा इसलिए होता है..क्योंकि एक जगह स्थिर हो जाने पर तस्वीरें धुंधली हो सकती हैं। आपने गौर किया होगा कि अगर आप किसी वस्तु को लगातार घूरते हैं तो वो आपकी नज़रों से गायब होने लगती है..या धुंधली हो जाती है।

एनुकेशन लोन

छात्रों को देश-विदेश में अध्ययन के लिए प्रमुख राष्ट्रीयकृत, प्राइवेट अथवा विदेशी बैंकों द्वारा एनुकेशन लोन प्रदान किया जाता है। यह राशि पांच लाख से लेकर अधिकतम 20 लाख रुपए तक हो सकती है। छात्र को जिस संस्थान में एडमिशन लेना है, वहां से जारी एडमिशन लेटर, हॉस्टल खर्च, ट्यूशन फीस एवं अन्य खर्चों का व्योरा बैंक को देना होता है। अंतिम निर्णय बैंक को करना होता है। बैंक सभी कागजात जांचता है।

सैलरी

इसमें ज्यादातर सैलरी पैकेज एकेडमी करियर एवं काम के बारे में जानकारी पर निर्भर करता है। शुरू शुरू में इसमें प्रोफेशनल्स को करीब तीन से चार लाख रुपए सालाना का पैकेज मिलता है। अनुभव बढ़ने के साथ सैलरी भी बढ़ती जाती है। प्राइवेट सेक्टर में सैलरी अधिक मिलती है। सुविधाओं के मामले में सरकारी क्षेत्र आगे है।



संपादकीय

हलफनामे में सवाल यथावत

सर्वोच्च

अदालत में दाखिल चुनाव आयोग के 248 पन्नों के हलफनामे में कई सवाल अनुत्तरित हैं। दो चुनाव आयुक्तों-सुखबीर सिंह संघू और विवेक जोशी-ने ‘ईडियन एक्सप्रेस’ की खोजी खबर में जो 14 अपरियां उठाई थीं, उन्हें भी खारिज नहीं किया गया है। उनके आंशिक, अधूरे जवाब ही सामने आए हैं। चुनाव आयोग ने उन खबरों का खंडन आज तक नहीं किया है। बेहद महत्वपूर्ण फॉर्म 6 पर चुनाव आयोग का स्पष्टीकरण ‘नकली’ लगता है। आयोग का जवाब है कि फॉर्म 6 में कोई बदलाव नहीं किया गया। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में अलग घोषणा-पत्र जोड़ा गया था। उसे ऑनलाइन फॉर्म के साथ दिखाने से ‘बदलाव का आभास’ हो सकता था। एक ओटीपी, ई-साइन से आवेदन पूरा करने के लिए दोनों को साथ रखा गया था। आयोग ने 21 अक्तूबर को ऑनलाइन आवेदन भी दो हिस्सों में रखने का फैसला किया। आयोग ने स्पष्टीकरण दिया है कि एसआईआर के तीनों आदेश मुख्य चुनाव आयुक्त तथा दोनों आयुक्तों की सर्वसम्मति से जारी किए गए। सवाल यह है कि आयुक्तों ने 10 माह के दौरान आपत्तियां दर्ज क्यों कराईं?

फॉर्म 6 में बदलाव को ‘अवैध’ और ‘अनधिकृत’ करार क्यों दिया? चूँकि चुनाव आयोग के एक प्रेस नोट में कहा गया था कि फॉर्म 6 में बदलाव को सर्वोच्च अदालत की मंजूरी भी थी, जिसे न्यायिक पीठ ने खारिज किया, लिहाजा सवाल यथावत है कि वह बदलाव किसके आदेश पर किया गया? क्या उत्तर उसमें भी तौनों आयुक्तों की सर्वसम्मति थी? चूँकि चुनाव आयोग के एकर प्रेस नोट में कहा गया था कि फॉर्म 6 में बदलाव को सर्वोच्च अदालत की मंजूरी भी थी, जिसे न्यायिक पीठ ने खारिज किया, लिहाजा सवाल यथावत है कि वह बदलाव किसके आदेश पर किया गया? क्या उसमें भी तीनों आयुक्तों की सर्वसम्मति थी? पश्चिम बंगाल में 16 लाख से अधिक फॉर्म 6 में बदलाव को सर्वोच्च अदालत की मंजूरी भी थी, जिसे न्यायिक पीठ ने खारिज किया, लिहाजा सवाल यथावत है कि वह बदलाव किसके आदेश पर किया गया? क्या उसमें भी तीनों आयुक्तों की सर्वसम्मति थी? पश्चिम बंगाल में 16 लाख से अधिक फॉर्म 7 के आवेदन सामने आए, जो मतदाताओं के नाम काटने, हटाने के लिए किए गए थे। हलफनामे में जवाब दिया गया कि वह बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के दफ्तर के स्तर पर किया गया। क्या यह संभव है? सीईओ ने उन 16 लाख लोगों का चयन कैसे और कहां किया? क्या उन्हें कोई ‘आर्थिक लालच’ दिया गया? इतने बड़े स्तर पर मतदाताओं के नाम काटने के आवेदन ‘ऊपर के निर्देश’ के बिना संभव नहीं हैं। इनके अलावा, एसआईआर के दौरान इतनी भयंकर गलतियां और विसंगतियां सामने आई हैं, उनसे लगता है कि चुनाव आयोग आंख मूंद कर और मरिपष्क की तालाबंदी कर ही काम करता है। उप्र में ऐसे 3 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम सार्वजनिक किए गए हैं, जो आयोग की नालायकी को बयां करते हैं। किसी एक नाम की 315 अथवा 420 प्रविष्टियां सूची में कर दी गईं। किसी एक नाम की 1300 से अधिक बार मतदाता सूची में ‘पेंटी’ कर दी गई है। इन अक्षम्य गलतियों की शिकायत सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने फरवरी, 2026 में की थी।

आयोग की छवि भी दरकी है। चुनाव आयोग ने पहली बार एसआईआर का अभियान शुरू किया था, उसमें पह सवाल उभर कर सामने आया है कि जिन कथ्यों में लाखों मतदाताओं के नाम काट दिए गए, फिर चुनाव कराए गए, जनादेश भी आ गया, सरकार भी बन गई, उसके बाद कानूनी समीक्षा में जो नाम पात्र मतदाता साबित हुए और जिनके नाम मतदाता सूची में दर्ज करने पड़े, तो क्या उस जनादेश को ‘समग्र’ माना जाए? चुनाव नतीजों में मत्ते के जो फासले थे, उससे अधिक पात्र मतदाता जुड़ गए, तो उस जनादेश को ‘चोरी का जनादेश’ माना जाए? उम्मीद है कि शीघ्र अदालत इस पहलू पर भी विचार करेगी।

कुछ

अलग

मुफ्तखोरी में काम हराम

आपने

वह कहानी सुनी है क्या कि राष्ट्र निर्माण पर भाषण देने वाला एक शख्स एक बेरी के कुश्म के नीचे सो रहा था, सोया रहा ।जी हां, सोना और रियायती भोजन पाने के लिए कतार लगाना। आज यही प्रथि कर्म रह गया है, क्योंकि सरकार ने कह दिया है कि ‘हम आपको गारंटी देते हैं, कि इस देश में किसी को भी कभी भूख से मरने नहीं देंगे।’ भई गारण्टियों का जमाना है। नेता लोग अपनी सत्ता पीढ़ी-दर-पीढ़ी बनाए रखने के लिए गारण्टियां देते हैं। ‘मेरा वचन गीता की कसम ।’ एक दूसरे से बढ-चढ़ कर संवाद बोलेंगे का जमाना है, इसलिए हर कोई एक दूसरे से बढ-चढ़ कर कसम खाने की प्रतियोगिता करता रहता है। आपके लिए धरा पर स्वर्ग ला देने का वायदा करता है, लेकिन बोट डालने की तिथि तक ।तिथि गुजर गई, कौमसी कसम, और किसे जामिन रख कर खाई थी यह कसम, वह भूल जाते हैं। बन्धु कसम तो होती हो तोड़ने के लिए है । वह वायदा ही क्या जो वफा हो गया।

दृष्टि

कोण

महंगाई की तपिश में फीके पड़ते त्योहार

इन

दिनों जब भारत में त्योहारी सीजन की शुरुआत हो चुकी है तो बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की थाली से स्वाद, परिवार के सपनों से सुकून और मेहनतकश इनसान की ज़िंदगी से वह छोटी-सी खुशहाली भी छीननी शुरू कर दी है, जिसके सहारे वह हर दिन बेहतर कल की उम्मीद में जीता है। महंगाई केवल कीमतों का बढना नहीं, बल्कि आम आदमी की क्रयशक्ति, आर्थिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन पर पड़ने वाला दबाव है। महंगाई की इस चुनौती को अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों से अलग करके नहीं देखा जा सकता। 23 अक्टूबर 2026 को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेट क्रूड ऑयल की कीमत लगभग 115 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और समुद्री व्यापार मार्ग पर संकट ने तेल

आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ाई हैं। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों के लिए आयात पर काफी निर्भर है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होने का असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। महंगे तेल से आयात बिल बढ़ता है और पेट्रोल-डीजल, माल ढुलाई, कृषि उत्पादन तथा औद्योगिक गतिविधियों की लागत पर दबाव पड़ता है। परिवहन महंगा होने पर सब्जियां, फलों, दूध और अनाज को बाजार तक पहुंचाने का खर्च भी बढ़ जाता है। इस प्रकार तेल की कीमतों में लगी आग अंततः आम आदमी की रसोई तक पहुंचने का खतरा पैदा करती है। भारत सरकार को सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग की एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के 12 अक्टूबर 2026 को जारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 5.54 प्रतिशत हो गई,



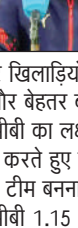
जबकि अगस्त में यह 4.83 प्रतिशत थी। खाद्य महंगाई भी अगस्त के 5.97 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर में 7.74 प्रतिशत पहुंच गई। ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा महंगाई 6.08 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 4.88 प्रतिशत

वाले परिवार अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा भोजन, आवास और परिवहन पर खर्च करते हैं। ऐसे में खाद्य वस्तुओं की कीमतों में मामूली वृद्धि भी उनकी बचत को समाप्त कर देती है।। मध्यम वर्ग के लिए भी स्थिति आसान नहीं है, क्योंकि शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास जैसी जरूरतें लगातार अधिक खर्च मांगती हैं। आर्थिक समस्याएं इस समस्या को और गंभीर बनाती हैं।। में स्वयं उपभोक्ता हूं और देखता हूं कि खुद मेरे शहरों बैजनाथ-पपरौला में खाद्य पदार्थों/सब्जी इत्यादि के दमों पर प्रशासन का कोई चेन नहीं है और न ही प्रशासनिक उच्च अधिकारों/खाद्य नियंत्रक कमी बाजार जाकर रेटेलिस्ट की जांच करते हैं। यही वजह है कि सभी विक्रेता मनमर्जी के रेट लगाकर ग्राहकों को लूट रहे हैं। दूसरी तरफ वक़्त इनक्रेवीलीटी रिपोर्ट 2026 के

अनुसार, भारत की शीर्ष 10 प्रतिशत आबादी को राष्ट्रीय आय का लगभग 57.7 प्रतिशत हिस्सा मिलता है, जबकि निचली 50 प्रतिशत आबादी के हिस्से में केवल 15 प्रतिशत आय आती है। देश की लगभग 65 प्रतिशत संपत्ति शीर्ष 10 प्रतिशत लोगों के पास केंद्रित है। दूसरी ओर, विश्व बैंक के अक्टूबर 2025 के आकलन के अनुसार, प्रतिदिन तीन डॉलर की अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा पर भारत में गरीबी का अनुपात 2011-12 के 27.1 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 5.3 प्रतिशत रह गया। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन गरीबी में कमी और आर्थिक असमानता समाप्त होना अलग-अलग बातें हैं। विकास की असली सफलता तभी होगी, जब आर्थिक प्रगति का लाभ व्यापक जनसमुदाय तक पहुंचे।।



निभा सकते हैं। भूपति, सानिया और अंकिता के अलावा जिन 6 अन्य पूर्व खिलाड़ियों ने भी उत्कृष्ट खिलाड़ियों के श्रेणी के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया है। वे हैं देविस कप के वर्तमान कोच अशुतोष सिंह, गौरव नाटेकर, जानकी कृष्णमूर्ति, शालिनी ठाकुर चावला और बिली जॉन विशाल उप्पल। इस तरह, इस महत्वपूर्ण श्रेणी में कुल 8 पूर्व खिलाड़ी चुनावी मैदान में हैं। वृत्तियन की कार्यकारी समिति के लिए नामांकन दाखिल करने वालों में भी भूपति, सानिया, अंकिता, जानकी और विशाल उप्पल के नाम प्रमुख हैं।



महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूएल) 2027 में अपने खिताब को बनाये रखने का पूरा प्रयास करेगी। इसी के तहत ही टीम नीलामी में बेहतर खिलाड़ियों को खरीदने उतरेगी जिससे की टीम को और बेहतर बनाया जा सके। कोच के अनुसार आरसीबी का लक्ष्य अपने खिताब का झूलतापूर्वक बनाव करते हुए तीन डब्ल्यूएल खिताब जीतने वाली पहली टीम बनना है। अगले सत्र की नीलामी में आरसीबी 1.15 करोड़ रुपये के पर्स के साथ उत्तरेगी और उसे अपनी टीम में पांच महत्वपूर्ण स्थान भरने होंगे। रंगराजन ने अपनी टीम की रणनीति भी बतायी। उन्होंने कहा, हम पिछले साल लीग में अपने प्रदर्शन का भारीकी से आकलन करते हैं, लीग के विकास को समझने की कोशिश करते हैं, अपनी टीम में कमियों की पहचान करते हैं, और लगातार सुधार की प्रक्रिया में लगे रहते हैं। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएल 2027 का आगला सत्र जहाजी में शुरू होने की उम्मीद है, और टीम अब सिर्फ यही देख रही है कि वे अपनी टीम को कैसे बेहतर बना सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, हमारे पास पहली टीम बनने का असर है जिसने तीन चैंपियनशिप जीती हैं और बैक-टू-बैक विजेता बनी है। इसी के तहत ही नीलामी की तैयारी मजबूत पहले ही शुरू हो गई थी। टीम की दावेदारी को मजबूत करने वाली सबसे महत्वपूर्ण खबर आस्ट्रेलियाई स्टार आल-राउंडर एलीसी पेरी की वापसी है, जो पिछले सीजन में निजी कारणों से टीम का हिस्सा नहीं थीं। रंगराजन ने पेरी के महत्व पर जोर देते हुए कहा, पेरी हमारी टीम का एक बहुत ही जरूरी हिस्सा हैं। उन्होंने आरसीबी के लिए हमेशा योगदान दिया है, चाहे हम जीती या न हारी। हमारी टीम में अपनी वापसी से हमें बहुत बड़ा बढ़ावा मिलेगा।

सबसे अधिक माना जाता है। इस बीच, डॉपिंग के अधिक मामलों के लगातार पाए जाने के कारण भारत पिछले तीन वर्षों से वाडा की निगरानी के शीर्ष टियर 1 श्रेणी में बना हुआ है। इस श्रेणी में कुल 50 देश शामिल हैं, जिनमें संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन जैसे बड़े देश भी शामिल हैं। क्रिकेट की तरह, स्वच्छा की भी ओलंपिक खेलों में शामिल किए जाने के कारण विश्व स्वच्छा महासंघ को टियर 3 से ज़ियर 1 में अपग्रेड किया गया है। वाडा के 38 सदस्यीय शीर्ष टियर 1 संघों में अब आईसीसी के साथ विश्व बैडमिंटन महासंघ, अंतरराष्ट्रीय साइकलिंग संघ, अंतरराष्ट्रीय फुटबाल महासंघ (फीफा), अंतरराष्ट्रीय जिम्नास्टिक महासंघ, अंतरराष्ट्रीय हाकी महासंघ, अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति, अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ, वर्ल्ड बार्सिंग और विश्व एथलेटिक्स जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघ भी शामिल हो गए हैं।

वी-एक्सप्रेस की डिलीवरी सेवा मजबूत

90% से अधिक सेवा स्तर के साथ क्रिक कॉमर्स को बढ़ावा, अगले वर्ष दोगुना होगा डिलीवरी वॉल्यूम



बेंगलुरु, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। वी-ट्रांस (इंडिया) लिमिटेड की एक्सप्रेस कार्गो इकाई वी-एक्सप्रेस ने क्रिक कॉमर्स और संगठित रिटेल की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी अपॉइंटमेंट डिलीवरी सेवा को मजबूत करने की घोषणा की है। कंपनी 40 से अधिक समर्पित केंद्रों के माध्यम से प्रतिमाह लगभग 10,000 टन माल की डिलीवरी कर रही है और अगले एक वर्ष में इस मात्रा को दोगुना करने की योजना है।

कंपनी की इस सेवा का उद्देश्य निर्धारित तारीखों और गोदामों में पहले से तय रिसीविंग स्टांट के अनुसार माल पहुंचाना है। इससे

देरी, माल की खेप अस्वीकार होने, अतिरिक्त प्रतीक्षा और जुमाने जैसी समस्याओं को कम करने में मदद मिलती है। इस सेवा के लिए कंपनी के केंद्रों में कुल 50,000 वर्ग फुट की भंडारण क्षमता है।

वी-एक्सप्रेस अपने ग्रीन चैनल पार्टनर्स को जीपीएस आधारित ट्रैकिंग और अंतिम चरण की डिलीवरी की जानकारी भी उपलब्ध कराती है। कंपनी के अनुसार, साझेदार प्लेटफॉर्म के साथ एपीआई इंटीग्रेशन अंतिम चरण में है, जबकि इलेक्ट्रॉनिक प्रूफ ऑफ डिलीवरी (ई-पीओडी) से डिलीवरी की पुष्टि और रिकॉर्ड का मिलान आसान होगा।

वी-ट्रांस (इंडिया) लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक एवं वी-एक्सप्रेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आदित्य शाह ने कहा कि अपॉइंटमेंट डिलीवरी सेवा क्रिक कॉमर्स और आधुनिक रिटेल से जुड़े आपूर्तिकर्ताओं को तय समय पर माल पहुंचाने, देरी कम करने और आपूर्ति व्यवस्था सुचारु रखने में मदद करती है।

कर्नाटक में 15 से अधिक नए केंद्र
कंपनी दक्षिण भारत में अपना नेटवर्क भी बढ़ा रही है। कर्नाटक में 15 से अधिक नए आउटलेट खोले जा रहे हैं, जिनसे क्षेत्र में 150 से अधिक रोजगार अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

नेटवर्क विस्तार में बेंगलुरु, बीजापुर, गुलबर्गा, मंगलुरु, दावणगरे, सिरसी, बागलकोट और देवनहल्ली के साथ होरोहल्ली, जिगनी, हिंदपुर और बिदादी के औद्योगिक क्षेत्र शामिल हैं। इसके अलावा, कंपनी की बॉक्स-एन-शिप डोर-टू-डोर सेवा विद्यार्थियों और अन्य लोगों को हॉस्टल या शैक्षणिक परिसर से अपने गृह नगर तक निजी सामान भेजने की सुविधा देती है। कंपनी के अनुसार, त्योहारों के प्रचार अभियान के तहत यह सेवा प्रतिस्पर्धी दरों पर उपलब्ध कराई जा रही है।

सेवा से मिलता है आत्मिक सुख, अन्नसेवा है मानवता की सच्ची पहचान



हैदराबाद। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप के तत्वावधान में गुरुवार को इंडो अमेरिकन कैन्सर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क में नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने सेवा और समर्पण की भावना के साथ इस पुनीत कार्य में सहभागिता निभाई।

राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य जरूरतमंदों की सेवा के साथ समाज में मानवीय संवेदनाओं, परीपकार और सहयोग की भावना को मजबूत करना है। ग्रुप का

मानना है कि जरूरतमंदों को भोजन कराना केवल सेवा कार्य नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन भी है। निस्वार्थ भाव से की गई सेवा से समाज में प्रेम, सद्भाव और अपनत्व बढ़ता है। कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, कमल मूंदड़ा, संजय गुप्ता, हरीश तोलाराम हिंदूजा सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कावों को निरंतर जारी रखने और समाज में सेवा-संस्कारों को बढ़ावा देने का संकल्प व्यक्त किया।

सरकारी अस्पताल में दो सफल घुटना प्रत्यारोपण

पेद्दापल्ली, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिला मुख्यालय स्थित सरकारी मुख्य अस्पताल में अधीक्षक डॉ. के. श्रीधर की देखरेख में दो मरीजों की टोटल ली रिप्लेसमेंट सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। घुटनों में गंभीर दर्द के कारण चलने में कठिनाई झेल रहे मरीजों का अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर में उपचार किया गया। ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. कुमार, एनेस्थीसिया विभाग के डॉ. चंद्रशेखर की टीम और ऑपरेशन थिएटर स्टाफ के समन्वय से सर्जरी सफल हुई। अधीक्षक डॉ. श्रीधर ने बताया कि तेलंगाना सरकार के सहयोग से अस्पताल में आधुनिक उपकरणों और विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि निजी अस्पतालों में महंगा पड़ने वाला उपचार सरकारी अस्पताल में मिलने से गरीब और मध्यम वर्ग के मरीजों को लाभ हो रहा है।



स्थापना दिवस को 'इंकलाबी मेला' के रूप में मनाया
जामिया मिल्लिया इस्लामिया अपना 106वां स्थापना दिवस मना रहा है। इस अवसर पर छात्रों ने गेट नंबर 7 के पास गुलिस्तान-ए-गालिब के सामने स्थापना दिवस को 'इंकलाबी मेला' के रूप में मनाया। भूख हड़ताल पर बैठे एबिन, रेहान और अन्य छात्र जब कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, तो पूरा परिसर नारों से गूंज उठा।

तोड़फोड़ के मामले में प्रार्थमिकी दर्ज
इस बीच, विश्वविद्यालय परिसर में हाल ही में हुई तोड़फोड़ और हिंसा के मामले में दिल्ली पुलिस ने कानूनी कार्रवाई की है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्रार्थमिकी (एफआईआर) दर्ज कर ली है। मामले की जांच जारी है।

महाभियोग नाटक...

इसी वर्ष अप्रैल में लोकसभा और राज्यसभा के पीठासीन अधिकारियों ने ऐसे नोटिस खारिज कर दिए थे। अब विपक्ष एक बार फिर संसद में प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है।

रामलीला मैदान में रैली की तैयारी

मॉक महाभियोग के अगले दिन, यानी 1 नवंबर 2026 को, इंडिया गठबंधन ने दिल्ली के रामलीला मैदान में बड़ी रैली और दिल्ली चलो मार्च आयोजित करने की योजना बनाई है। इस तरह विपक्ष इस आयोजन के जरिए चुनाव आयोग के खिलाफ अपने अभियान को राजनीतिक धार देने और एसआईआर के मुद्दे पर समर्थकों को एकजुट करने की कोशिश कर रहा है।

फडणवीस...

इस अवसर पर मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने कहा कि लोग सोच रहे होंगे कि तीनों नेता आज एक मंच पर कैसे आ गए। उन्होंने कहा कि कुछ मंच ऐसे होते हैं, जहां लोग राजनीति को अलग रखकर एक साथ आते हैं। ऐसे कार्यक्रमों में राजनीति के बजाय कला और संस्कृति

पर चर्चा होती है।

राज ठाकरे ने कहा कि कला और संस्कृति से जुड़े मंचों पर अलग-अलग राजनीतिक विचारधाराओं वाले लोगों का साथ आना स्वाभाविक है। पुस्तक विमोचन का यह कार्यक्रम भी कला और कानून की दुनिया से जुड़ा था। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री पद साझा करने के मुद्दे पर भाजपा और तत्कालीन अविभाजित शिवसेना के बीच मतभेद हो गए थे। इसके बाद दोनों पुराने सहयोगी अलग हो गए और एक-दूसरे के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बन गए।

मुंबई में बनेगी कार्टूनियों के लिए विशेष गैलरी
मुख्यमंत्री फडणवीस ने मुंबई में कार्टूनियों की कलाकृतियों को प्रदर्शित करने के लिए एक विशेष गैलरी बनाने की पहल करने की बात कही। उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के लिए वह राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे का भी सहयोग लेंगे। प्रस्तावित गैलरी में कार्टूनियों की कलाकृतियों को प्रदर्शित किया जा सकेगा।

फडणवीस ने कार्टून बनाने की कला की सराहना करते हुए कहा कि एक कार्टून भी संपादकीय की तरह किसी मुद्दे को प्रभावी ढंग से सामने रख सकता है। संपादकीय जहां किसी विषय को विस्तार से समझाता है, वहीं कार्टून उसी बात को कम शब्दों में प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत कर सकता है।

नेताओं पर कार्टून बनें तो बुरा न मानें
मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्टून अक्सर नेताओं को अपने कार्टून का विषय बनाते हैं। ऐसे में नेताओं को बुरा मानने के बजाय उनका आनंद लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि मराठी कार्टूनियों ने महाराष्ट्र की राजनीति और समाज में हुए महत्वपूर्ण बदलावों को लगातार दर्ज किया है। उनके कार्टून राजनीतिक माहौल को दर्शाने के साथ असहमति और आलोचना व्यक्त करने का माध्यम भी रहे हैं।

फडणवीस ने पुस्तक के संपादक प्रशांत कुलकर्णी और ग्रंथाली संस्था को इस संग्रह के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि पुरानी कार्टून कलाकृतियों को उनके ऐतिहासिक संदर्भों के साथ सहेजना महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने राज ठाकरे की कार्टून बनाने की कला का भी उल्लेख किया। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि अगर राज ठाकरे कभी उनका कार्टून बनाएं, तो उनकी नाक थोड़ी बड़ी बनाए। इस टिप्पणी पर कार्यक्रम में मौजूद लोगों के बीच हल्का-फुल्का माहौल बन गया।

राजनीतिक...

तिरहुत शिक्षक: भाजपा के नरेंद्र प्रसाद सिंह।

केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने आचार्य महाश्रमणजी से लिया आशीर्वाद



लाडनू, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत सरकार के केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री तथा संस्कृति एवं संसदीय कार्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल गुरुवार को लाडनू पहुंचे। जैन विश्व भारती संस्थान के वर्तमान कुलाधिपति मेघवाल का संस्थान के अध्यक्ष

गौरव जैन मांडोट, कुलपति प्रो. बच्छराज दुगड़ और परिसर संयोजक धर्मचंद लुंकड़ ने शिष्टाचारपूर्वक स्वागत किया। गुरुभक्त आलोक घोड़ावत ने बताया कि लाडनू पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री ने योगक्षेम वर्ष के अंतर्गत विराजित तेरापंथ धर्मसंघ के

अधिशस्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी के दर्शन किए।

उन्होंने आचार्यश्री को वंदन कर भेंट की तथा विभिन्न विषयों पर विस्तार से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने आचार्यश्री से आशीर्वाद भी प्राप्त किया।

पत्रकारिता में पारदर्शिता और सटीकता जरूरी : डॉ. मेघना शर्मा

मरुधरा प्रेस क्लब, बीकानेर के लोगो-स्टीकर का विमोचन

बीकानेर, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के इतिहास विभाग की अध्यक्ष, साहित्यकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. मेघना शर्मा ने



मरुधरा प्रेस क्लब, बीकानेर के लोगो-स्टीकर का विमोचन किया। इस अवसर पर डॉ. मेघना शर्मा ने पत्रकारिता के अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि पत्रकारिता में पारदर्शिता, सटीकता और गंभीरता जैसे

अवयव प्रमुख रूप से शामिल होंगे, तो खबर की सार्थकता और उसकी प्रभावशीलता पर सीधा सकारात्मक असर पड़ेगा। विमोचन कार्यक्रम में मरुधरा प्रेस क्लब के अध्यक्ष जय सिंह चौहान एवं कोषाध्यक्ष यतेंद्र चड्ढा उपस्थित

रहे। इस दौरान क्लब की पहचान, पत्रकारों की एकजुटता तथा पत्रकारिता के माध्यम से सामाजिक सरोकारों को मजबूती देने के उद्देश्य पर चर्चा की गई।

मरुधरा प्रेस क्लब पत्रकारों के सम्मान, अधिकारों और हितों के लिए सामूहिक प्रयास करने के उद्देश्य से कार्यरत है।

क्लब का लोगो-स्टीकर संगठन की पहचान को अधिक प्रभावी बनाने के साथ ही पत्रकारों के बीच आपसी समन्वय और एकजुटता का संदेश देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

कॉन्टिनेंटल हॉस्पिटल्स में अवंत्रा ब्रेस्ट सेंटर शुरू

स्तन कैंसर की रोकथाम, शीघ्र पहचान से लेकर आधुनिक उपचार तक मिलेंगी सेवाएं



हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गच्छीबोली स्थित कॉन्टिनेंटल हॉस्पिटल्स ने 29 अक्टूबर 2026 को अवंत्रा ब्रेस्ट सेंटर का शुभारंभ किया। इसका उद्देश्य स्तन कैंसर की रोकथाम, शुरुआती पहचान, उन्नत उपचार और उपचार के बाद देखभाल सहित सभी प्रमुख सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर विश्व प्रसिद्ध ब्रेस्ट ऑनकोप्लास्टी सर्जन डॉ. चैतन्यानंद बी. कोपिकर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। 25 वर्षों से अधिक के अनुभव के आधार पर उन्होंने स्तन कैंसर के उपचार में विभिन्न विशेषज्ञों के बीच समन्वय को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने ब्रेस्ट इमेजिंग, मैमोग्राफी, आनुवंशिक परामर्श, किमो-थेरेपी, रेडिएशन थेरेपी, पुनर्निर्माण सर्जरी और उपचार के बाद देखभाल की भूमिका पर प्रकाश

डाला। कॉन्टिनेंटल हॉस्पिटल्स के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. गुरु एन. रेड्डी ने कहा कि अवंत्रा ब्रेस्ट सेंटर स्तन कैंसर की देखभाल को व्यापक और संवेद-नशील बनाने की उनकी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। यहां शुरुआती जांच और व्यक्तिगत उपचार से लेकर सर्जरी, रेडिएशन थेरेपी, आनुवंशिक एवं पारिवारिक परामर्श, पैलिएटिव केयर और उपचार के बाद की देखभाल तक की सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि सेंटर का उद्देश्य आधुनिक तकनीक, विशेषज्ञता और संवेदनशील देखभाल के माध्यम से बेहतर उपचार परिणामों के साथ मरीजों और उनके परिवारों को आशा, सम्मान तथा बेहतर जीवन गुणवत्ता प्रदान करना है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जामिया...

मार्च 2006 में परिसर में हुई हिंसा के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया छात्रसंघ (जेएमआईएसयू) को भंग कर दिया था। अब 18 दिनों तक चले प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने छात्रसंघ को फिर से बहाल करने का फैसला किया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, जामिया में अगस्त 2027 के अंतिम सप्ताह में छात्रसंघ चुनाव कराए जाने की संभावना है।

स्थापना दिवस को 'इंकलाबी मेला' के रूप में मनाया
जामिया मिल्लिया इस्लामिया अपना 106वां स्थापना दिवस मना रहा है। इस अवसर पर छात्रों ने गेट नंबर 7 के पास गुलिस्तान-ए-गालिब के सामने स्थापना दिवस को 'इंकलाबी मेला' के रूप में मनाया। भूख हड़ताल पर बैठे एबिन, रेहान और अन्य छात्र जब कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, तो पूरा परिसर नारों से गूंज उठा।

तोड़फोड़ के मामले में प्रार्थमिकी दर्ज
इस बीच, विश्वविद्यालय परिसर में हाल ही में हुई तोड़फोड़ और हिंसा के मामले में दिल्ली पुलिस ने कानूनी कार्रवाई की है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्रार्थमिकी (एफआईआर) दर्ज कर ली है। मामले की जांच जारी है।

महाभियोग नाटक...

इसी वर्ष अप्रैल में लोकसभा और राज्यसभा के पीठासीन अधिकारियों ने ऐसे नोटिस खारिज कर दिए थे। अब विपक्ष एक बार फिर संसद में प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है।

रामलीला मैदान में रैली की तैयारी

मॉक महाभियोग के अगले दिन, यानी 1 नवंबर 2026 को, इंडिया गठबंधन ने दिल्ली के रामलीला मैदान में बड़ी रैली और दिल्ली चलो मार्च आयोजित करने की योजना बनाई है। इस तरह विपक्ष इस आयोजन के जरिए चुनाव आयोग के खिलाफ अपने अभियान को राजनीतिक धार देने और एसआईआर के मुद्दे पर समर्थकों को एकजुट करने की कोशिश कर रहा है।

फडणवीस...

इस अवसर पर मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने कहा कि लोग सोच रहे होंगे कि तीनों नेता आज एक मंच पर कैसे आ गए। उन्होंने कहा कि कुछ मंच ऐसे होते हैं, जहां लोग राजनीति को अलग रखकर एक साथ आते हैं। ऐसे कार्यक्रमों में राजनीति के बजाय कला और संस्कृति

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT

Timings : 9 am to 7 pm

Head office

SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS,

Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037

City office

SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS,

Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar,

Hyderabad - 500 037

8688868345

शुभ लाभ

महारे

भाग्यनगर

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 30 अक्टूबर, 2026

शुभ लाभ

आपकी सेवा में

शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए

मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत नैतिक मूल्यों एवं पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए पावरग्रिड एसआर-1 द्वारा वाँकाथॉन का आयोजन



हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के अंतर्गत नैतिक मूल्यों एवं पारदर्शिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पावरग्रिड दक्षिण क्षेत्र-1 (एसआर-1), क्षेत्रीय मुख्यालय, सिकंदराबाद द्वारा हैदराबाद के नेकलेस रोड पर वाँकाथॉन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता, जवाबदेही तथा नैतिक

आचरण के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना था। वाँकाथॉन को पावरग्रिड एसआर-1 के कार्यपालक निदेशक श्री दोमन यादव ने वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर खाना किया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण तिरंगे की थीम पर आधारित विशेष छतरियां रहीं, जिन पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह के संदेश अंकित थे। इन

छतरियों के साथ कर्मचारियों की सहभागिता ने सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता एवं नैतिक मूल्यों के प्रति उनकी सामूहिक प्रतिबद्धता को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने अपने व्यावसायिक एवं व्यक्तिगत जीवन में नैतिक मूल्यों को अपनाने और सतर्कता की संस्कृति

को सुदृढ़ करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर श्री दोमन यादव ने 'समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा' (प्रोबिटी फॉर प्रॉस्पेरिटी) के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक उत्कृष्टता हासिल करने और जनविश्वास को मजबूत बनाने के लिए ईमानदारी, पारदर्शिता एवं जवाबदेही अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने सभी कर्मचारियों से नैतिक मानकों का पालन करने तथा भ्रष्टाचार-मुक्त एवं पारदर्शी कार्य वातावरण के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। यह वाँकाथॉन सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के दौरान पावरग्रिड एसआर-1 द्वारा आयोजित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा था। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य कर्मचारियों, हितधारकों और आम नागरिकों के बीच सत्यनिष्ठा एवं सुशासन के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। पावरग्रिड ऐसे आयोजनों के माध्यम से उच्चतम नैतिक मानकों, पारदर्शिता और उत्कृष्ट कॉर्पोरेट प्रशासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर सुदृढ़ कर रहा है।



पुलिस के रक्तदान शिविरों से थैलेसीमिया मरीजों को राहत

पुलिस स्मृति सप्ताह के दौरान हैदराबाद पुलिस की पहल

थैलेसीमिया एंड सिकल सेल सोसाइटी को मिले 560 यूनिट रक्त

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुलिस स्मृति सप्ताह के अवसर पर हैदराबाद पुलिस द्वारा आयोजित रक्तदान शिविरों से थैलेसीमिया एंड सिकल सेल सोसाइटी (टीएससीएस), शिवरामपल्ली को 560 यूनिट रक्त प्राप्त हुआ है। ये शिविर पेटलाबुर्ज स्थित सिटी आर्म्ड रिजर्व (सीएआर) मुख्यालय तथा पुलिस के अन्य केंद्रों पर आयोजित किए गए। इस पहल के माध्यम से पुलिस विभाग ने जन-सेवा और मानवीय कार्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।

सीएआर मुख्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सी.वी. आनंद, आईपीएस ने किया। इस अवसर पर हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जानर, आईपीएस, संयुक्त पुलिस आयुक्त तफसीर इकबाल, आईपीएस तथा सीएआर मुख्यालय वर्य प्रशिक्षण के पुलिस उपायुक्त आर. वैक्कटेश्वरलु, आईपीएस उपस्थित थे। थैलेसीमिया एंड सिकल सेल सोसाइटी की ओर से वरिष्ठ संयुक्त सचिव अलीम बेग, दुर्गा देवी और जलील ने भी



इस अभियान में भाग लिया।

इस पहल का उद्देश्य उन मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता बढ़ाना था, जिन्हें नियमित रूप से रक्त चढ़ाने की आवश्यकता होती है। इनमें विशेष रूप से थैलेसीमिया से पीड़ित मरीज शामिल हैं।

टीएससीएस को हैदराबाद के सिटी आर्म्ड रिजर्व मुख्यालय तथा राजेंद्रनगर जोन के विभिन्न पुलिस केंद्रों में आयोजित शिविरों से रक्त प्राप्त हुआ। इन केंद्रों में फलकमुमा, शमशाबाद और बालापुर पुलिस स्टेशन शामिल हैं। इन सभी शिविरों से एकत्रित रक्त सोसाइटी से जुड़े मरीजों की नियमित रक्त आधान संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता करेगा।

पुलिस कर्मियों, अधिकारियों, चिकित्सा पेशेवरों और रक्तदाताओं को संबोधित करते हुए डीजीपी सी.वी. आनंद,

आईपीएस ने कहा कि रक्तदान करना जीवन बचाने के समान है। उन्होंने बड़ी संख्या में आगे आकर इस पहल में भाग लेने वाले पुलिस कर्मियों और स्वयंसेवकों की सराहना की।

उन्होंने बताया कि ड्यूटी के दौरान अपने प्राणों का बलिदान देने वाले पुलिस कर्मियों के सम्मान में पुलिस विभाग 31 अक्टूबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब लोग अपने परिवारों के साथ त्योहार मनाते हैं, उस समय पुलिस कर्मी सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने, सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने और अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए ड्यूटी पर तैनात रहते हैं।

थैलेसीमिया एंड सिकल सेल सोसाइटी के संयुक्त सचिव अलीम बेग ने कहा, हम तेलंगाना पुलिस विभाग, डीजीपी सी.वी. आनंद, आईपीएस, हैदराबाद शहर के

पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जानर, आईपीएस तथा सभी पुलिस कर्मियों और स्वैच्छिक रक्तदाताओं के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, जिन्होंने थैलेसीमिया से पीड़ित मरीजों की सहायता के लिए अपना सहयोग दिया है।

इन मरीजों के लिए रक्त चढ़ाना एक बार की आवश्यकता नहीं, बल्कि जीवनभर की जरूरत है। इन शिविरों के माध्यम से 560 यूनिट रक्त एकत्रित होना मरीजों की लगातार बनी रहने वाली रक्त की आवश्यकता को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान है। दान किया गया प्रत्येक यूनिट रक्त किसी मरीज के लिए आशा लेकर आता है और इस चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना कर रहे परिवारों को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करता है।

पुलिस स्मृति सप्ताह के दौरान इस प्रकार की पहल एक सशक्त संदेश देती है कि सेवा की भावना केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन बचाने और मानवता की सेवा करने तक विस्तृत है।

हम नागरिकों, संगठनों और संस्थानों से आग्रह करते हैं कि वे नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आएँ और जरूरतमंद मरीजों के लिए सुरक्षित रक्त की विश्वसनीय उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद करें।

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ की बैठक संपन्न

नवनि्युक्त पदाधिकारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र, महापदयात्रा और एमएलसी पंजीकरण पर चर्चा



हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ के महाकाली जिले की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नवनि्युक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक के दौरान महाकाली जिले के नवनि्युक्त सह-संयोजकों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को उनके आधिकारिक नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर संगठन को मजबूत बनाने और व्यापारियों के बीच प्रकोष्ठ की गतिविधियों को विस्तार देने पर जोर दिया गया।

बैठक में आगामी 2 नवंबर को आयोजित होने वाली महापदयात्रा की तैयारियों की समीक्षा की गई। प्रकोष्ठ के सभी सदस्यों से बड़ी संख्या में भाग लेकर पदयात्रा को सफल बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया गया।

वर्ष 2027 की डायरी एवं कैलेंडर के प्रकाशन को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। इनके लिए

उच्च गुणवत्ता वाली डिजाइनिंग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कुशल प्रिंटर नियुक्त करने तथा विज्ञापन सहयोग के लिए व्यापारियों से अपील करने का निर्णय लिया गया। इस प्रस्ताव पर सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से सहमति जताई।

हैदराबाद-रंगारेड्डी-महबूबनगर स्नातक विधान परिषद (एमएलसी) चुनाव को ध्यान में रखते हुए मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया की समीक्षा की गई। सभी सदस्यों को पंजीकरण अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। बैठक का विधिवत समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

ये रहे उपस्थित: बैठक में तेलंगाना भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के सह-संयोजक सतीश कुमार जाजू, महाकाली जिले के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सह-संयोजक संतोष अग्रवाल, सत्यनारायण मूंदड़ा, सीमा अग्रवाल तथा कार्यकारिणी सदस्य अमित अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, राजेश केडिया, विजय कुंचल सहित अन्य प्रमुख कार्यकर्ता एवं सदस्य उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज का दिवाली मिलन 16 नवंबर को

25 हजार समाजबंधु आमंत्रित, अन्नकूट प्रसाद और भजन संध्या का होगा आयोजन

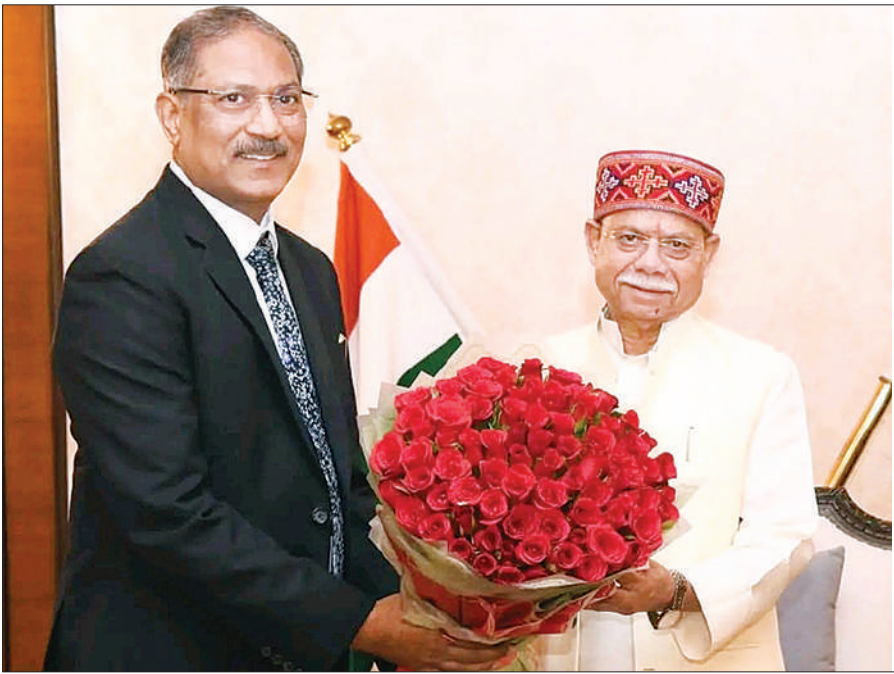
हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।



अग्रवाल समाज तेलंगाना की ओर से दिवाली मिलन एवं अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम का आयोजन आगामी 16 नवंबर, सोमवार को किया जा रहा है। कार्यक्रम के चेयरमैन राजेन्द्रकुमार अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि अग्रवाल समाज के इतिहास में पहली बार इस प्रकार का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें समाज के लगभग 25,000 सदस्यों को आमंत्रित किया गया है।

भव्य आयोजन में होगा समाजबंधुओं का मिलन उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम सिकंदराबाद के बालमराई स्थित क्लासिक गार्डन में सोमवार, 16 नवंबर को सायं 6:31 बजे से प्रारंभ होगा। इस अवसर पर समाज के सभी सदस्य एकत्रित होकर दिवाली के त्योहार की खुशियां आपस में साझा करेंगे तथा पारस्परिक मेल-मिलाप के साथ अन्नकूट का प्रसाद ग्रहण करेंगे।

प्रसिद्ध भजन गायकों की होगी प्रस्तुति कार्यक्रम में हैदराबाद के विख्यात भजन गायक श्री मुरारी दायमा एवं प्रतीक दायमा द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजन को लेकर कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी यथासमय प्रस्तुत की जाएगी। कार्यक्रम के चेयरमैन राजेन्द्रकुमार अग्रवाल ने अग्रवाल समाज तेलंगाना के सभी सदस्यों से विनम्र आग्रह किया है कि वे अपने परिवार सहित इस विशेष दिवाली मिलन एवं अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम में उपस्थित होकर आयोजन की शोभा बढ़ाएं और इसे सफल बनाने में अपना योगदान दें।



तेलंगाना हाईकोर्ट के माननीय कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी. सैम कोशी ने आज हैदराबाद स्थित लोक भवन में तेलंगाना के राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ला से शिष्टाचार भेंट की।



राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद द्वारा पहनने योग्य पुराने कपड़ों को एकत्रित कर गांधी अस्पताल, सिकंदराबाद में गांवों से आए जरूरतमंद मरीजों के परिजनों को वितरित किया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी, मंत्री संजय राठी, आल्हा प्रसाद मोदानी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अमित शाह की महापदयात्रा की तैयारियों पर मंथन

2 नवंबर को एलबी स्टेडियम से मोजामजाही मार्केट तक निकलेगी यात्रा



हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाजपा तेलंगाना के प्रदेश सह-प्रभारी अभय पटेल की ओर से भाजपा प्रदेश कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसका संचालन भी उन्होंने किया। बैठक की अध्यक्षता टी. उमामहेंद्र ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में सांसद डॉ. के. लक्ष्मण उपस्थित रहे। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आगामी महापदयात्रा की तैयारियों पर प्रमुखता से चर्चा की गई। यह महापदयात्रा 2 नवंबर 2026 को

दोपहर 2 बजे हैदराबाद के एलबी स्टेडियम स्थित बाबू जगजीवन राम की प्रतिमा से प्रारंभ होकर मोजामजाही मार्केट एक्स रोड्स तक जाएगी। बैठक में विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) मतदाता पंजीकरण अभियान तथा आगामी ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) चुनावों की तैयारियों पर भी विचार-विमर्श किया गया। संगठनात्मक समन्वय, पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने और आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर जोर दिया गया। बैठक में डॉ. गौतम राव (भाजपा प्रदेश

महासचिव), महिपाल रेड्डी (भाजपा प्रदेश सचिव), प्रेम सिंह राठी (पूर्व विधायक), शंकर यादव (जीएचएमसी परिषद में फ्लोर लीडर), लाल सिंह (पूर्व कॉरपोरेटर), पांडु यादव, गोविंद राठी, पाशम सुरेंद्र और श्रीराम व्यास सहित अन्य पार्टी नेताओं ने भाग लिया। बैठक में आगामी महापदयात्रा, एमएलसी मतदाता पंजीकरण अभियान और जीएचएमसी चुनावों से संबंधित संगठनात्मक गतिविधियों को बेहतर समन्वय के साथ आगे बढ़ाने पर चर्चा की गई।

